website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

वर्ष :13 | अंक : 219 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार, 18 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

अकबर 'क्रूर लेकिन सहिष्णु', औरंगजेब 'कट्टर धार्मिक'

● एनसीईआरटी की किताब में मुगल काल की नई समीक्षा ● कक्षा 8 के सिलेबस में हुआ शामिल, कवर में दी तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अकबर का शासन 'क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण था, जबकि औरंगजेब एक सैन्य शासक था जिसने गैर-इस्लामी प्रथाओं पर प्रतिबंध लगाया और गैर-मुसलमानों पर टैक्स लगाया। मुगल काल की ये नई समीक्षा एनसीईआरटी की कक्षा 8 की किताब में शामिल की गई है। एनसीईआरटी कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की किताब में मुगल शासकों के धार्मिक फैसले, सांस्कृतिक योगदान और क्रूरता की नई व्याख्या की गई है। ये किताब 2025-26 एकेडमिक सेशन से ही स्कूलों में लागू होगी। किताब में मुगल सल्तनत के पहले शासक बाबर को तुर्क-मंगोल शासक और सैन्य रणनीतिकार लिखा गया है। इसके साथ बताया गया कि बाबर ने 1526 में पानीपत की लड़ाई में बारूद और तोपखाने की मदद से इब्राहिम लोदी को

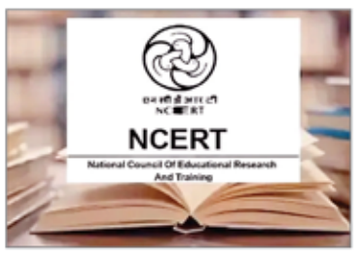

हराया और दिल्ली सल्तनत का अंत कर दिया। बाबर का बेटा हुमायूं साम्राज्य को बचाए रखने के लिए संघर्ष करता रहा और एक समय के लिए उसने शेर शाह सूरी से हारकर साम्राज्य खो भी दिया था। किताब में बताया गया है कि कैसे शेर शाह सूरी के हिंदू सेनापति हेमू को अकबर की सेना ने पकड़ा और पानीपत की दूसरी लड़ाई के बाद सिर कलम कर दिया। अकबर के शासन को किताब में क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण बताया गया है। लिखा गया है कि 1568 में चित्तौड़ के किले की घेराबंदी के दौरान अकबर ने लगभग 30,000 नागरिकों की हत्या और बचे हुए महिलाओं और बच्चों को गुलाम बनाने का आदेश दिया था। इसकी जानकारी अकबर के विजय पत्र से मिली-इसके अलावा अकबर ने जजिया कर समाप्त किया, राजपूतों का स्वागत किया।

एनसीईआरटी ने कहा-

इतिहास की जड़ों को जानना जरूरी- किताब में बनारस, मथुरा और सोमनाथ में मंदिरों को तोड़ने और जैन, सिख, सूफी और पारसी समुदायों पर अत्याचार की घटनाओं का भी जिक्र है। इस बारे में एनसीईआरटी के एक अधिकारी ने कहा, इतिहास की घटनाओं को मिटाया या नकारा नहीं जा सकता, लेकिन आज किसी को उनके लिए दोषी ठहराना गलत होगा। सत्ता की लालसा, अत्याचार या गलत महत्वाकांक्षाओं की शुरुआत को समझना ही ऐसा भविष्य बनाने का सही तरीका है जहां ये घटनाएं दोबारा न हों। इसी साल एनसीईआरटी ने क्लास 7वीं की किताबों के सिलेबस में भी बदलाव किया है। हिस्ट्री, जियोग्राफी की टेक्स्टबुक्स से मुगल सल्तनत और दिल्ली सल्तनत के टॉपिक्स हटा दिए गए हैं, जबकि महाकुंभ समेत मेक इन इंडिया और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को जोड़ा गया है।

सीढ़ियां चढ़ने के लिए कहें, ऑयल बोर्ड डिस्प्ले लगाएं

● बच्चों का मोटापा कम करने सीबीएसई का स्कूलों को निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बच्चों में तेजी से बढ़ते मोटापे की समस्या को देखते हुए सीबीएसई ने बड़ा कदम उठाया है। सीबीएसई ने अपने सभी स्कूलों को पत्र जारी करते हुए निर्देश दिया है कि वह बच्चों के मोटापे पर कंट्रोल करने के लिए उन्हें ऑयल बोर्ड बनाकर जागरुक करें। इसके अलावा बच्चों को शारीरिक गतिविधि जैसे सीढ़ी चढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए हैं। दरअसल, आंकड़े बताते हैं कि वयस्कों और बच्चों दोनों में मोटापे में तेजी

से बढ़ोतरी हो रही है। एनएफएचएस-5 (2019-21) के अनुसार शहरी क्षेत्रों में पांच में से एक से ज्यादा वयस्क अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त है। 2025 में प्रकाशित द लैंसेट जीबीडी 2021 मोटापा पूर्वानुमान अध्ययन के अनुसार भारत में अधिक वजन और मोटे वयस्कों की संख्या 2021 में 18 करोड़ से बढ़कर 2050 तक 44.9 करोड़ हो जाने का अनुमान है।

विधानसभा में लुंगी-बनियान पहनकर पहुंचे विपक्षी विधायक

● शिवसेना एमएलए के खिलाफ किया प्रदर्शन

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर बुधवार को एक अनोखा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। महाविकास आघाड़ी के विधायकों ने 'लुंगी-बनियान' पहनकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा विधायक हॉस्टल की कैंटीन के कर्मचारी से मारपीट के खिलाफ

किया गया। शिवसेना (उद्धव गुट) के विधान परिषद में नेता अंबादास दानवे, एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक जीतेन्द्र आव्हाड समेत कई विपक्षी नेता इस प्रदर्शन में शामिल हुए। सभी ने अपने पारंपरिक कपड़ों के ऊपर बनियान और तौलिया (लुंगी की तरह) पहनकर 'गुंडा राज' के खिलाफ नारेबाजी की। अंबादास दानवे ने कहा कि जब विधायक कैंटीन में ही मारपीट कर रहे हैं, तो इससे साफ है कि सरकार ऐसे तत्वों को संरक्षण दे रही है। इससे पहले सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी विधायक की आलोचना कर चुके हैं। शिवसेना (शिंदे गुट) विधायक संजय गायकवाड़ ने मारपीट की थी।

विदेशी टेक्नोलॉजी पर निर्भरता

हमें बना रही कमजोर

● सीडीएस ने कहा-स्वदेशी एडवांस टेक्नोलॉजी है जरूरी

कहा-कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीत सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हम कल के हथियारों से आज की लड़ाई नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा विदेश से इम्पोर्ट की गई टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमारी युद्ध तैयारियां कमजोर करती है। सीडीएस ने कहा कि यह हमें कमजोर बना रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया कि हमारे लिए स्वदेशी सीएएएस (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) यानी एंटी ड्रोन सिस्टम क्यों जरूरी है। हमें अपनी सुरक्षा के लिए इन्वेस्टमेंट करना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने अनआर्म्ड ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। अधिकतर ड्रोन्स मार गिराए गए। ये हमारे किसी भी मिलिट्री या सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके। सीडीएस ने ये बातें दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में एएवी (अनमैंड एरियल व्हीकल) और काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम की प्रदर्शनी में कहीं। युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल पर जनरल चौहान ने कहा- मुझे लगता है कि ड्रोन्स इवॉल्यूशनरी (विकासवादी) हैं और युद्ध में उनका इस्तेमाल बहुत क्रांतिकारी रहा है। जैसे-जैसे उनकी तैनाती और दायरा बढ़ा, सेना ने क्रांतिकारी तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल किया। हमारे लड़े गए कई युद्धों में आपने यह देखा है। उन्होंने कहा- हम इम्पोर्टेड टेक्नोलॉजी पर निर्भर नहीं रह सकते, क्योंकि यह हमारे युद्ध और डिफेंस ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण हैं। विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को कम करती है। इससे अहम मैकेनिकल पार्ट्स की कमी होती है। सीडीएस जनरल चौहान ने 3 जून को पुणे यूनिवर्सिटी में भविष्य के युद्ध और युद्ध विषय पर लेक्चर में कहा था, 10 मई रात पाकिस्तान ने भारत को 48 घंटे में घुटने पर लाने की प्लानिंग की थी। उसने कई जगह पर एक साथ हमले किए, लेकिन उसकी योजना 8 घंटे में ही फेल हो गई थी। इसके बाद बड़े नुकसान के डर से सीजफायर के लिए कॉल किया। हमने केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।

मिल गया 114 साल के फौजा सिंह का कातिल

● फॉर्च्यूनर भी जब्त; घर के बाहर मारी थी टक्कर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दुनिया भर में टर्बनड टॉर्नेडो के नाम से मशहूर एथलीट फौजा सिंह को गाड़ी से टक्कर मारने वाले को जालंधर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान 30 वर्षीय एनआरआई अमृतपाल सिंह ढिल्लो के रूप में हुई है जो करतारपुर के दासुपुर गांव का रहने वाला है। पुलिस उसे आज

कोर्ट में पेश करेगी। पुलिस ने उसकी फॉर्च्यूनर गाड़ी पीबी 20 सी 7100 को भी जब्त कर लिया है। पूछताछ में अमृतपाल ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। फौजा सिंह की सैर करते हुए सीसीटीवी फुटेज सामने आई थी, जिसमें वह गांव से अकेले ही नेशनल हाईवे की ओर सैर करने के लिए जाते दिख रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार टक्कर मारने वाली फॉर्च्यूनर गाड़ी चालक उन्हें टक्कर मार कर फरार हो जाता है।

राहुल की मांग, जम्मू-कश्मीर को जल्द मिले राज्य का दर्जा

● पीएम मोदी को लिखा लेटर, कहा-मानसून सत्र में बिल लाया जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की मांग की है। राहुल ने पीएम मोदी को लेटर लिखकर कहा कि, संसद के आगामी मानसून सत्र में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए बिल लाया जाए। राहुल ने अपने लेटर में प्रधानमंत्री मोदी के पुराने दो बयानों का भी जिक्र किया। जब पीएम ने 19 मई 2024 को भुवनेश्वर में और 19 सितंबर 2024 को श्रीनगर की रैली में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने की बात कही थी। इसके अलावा राहुल ने सरकार से लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए कानून लाने का भी अनुरोध किया। साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। सरकार ने उस समय ही राज्य के हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भरोसा दिया था। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत

जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया गया था। इसलिए पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए संसद में एक कानून पारित कर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव करना होगा। यह बदलाव धारा 3 और 4 के तहत होंगे।

पटना में रनवे टच करके फिर दोबारा उड़ा विमान

● 4 चक्कर लगाने के बाद दोबारा लैंडिंग हो पाई ● 173 यात्रियों की अटकी रहीं सांसें, मिली राहत

पटना (एजेंसी)। दिल्ली से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट मंगलवार को पटना एयरपोर्ट पर लैंड करने के बाद दोबारा उड़ गई। फिर, तीन-चार चक्कर लगाने के बाद फ्लाइट ने दोबारा लैंड किया। इस दौरान दिल्ली से पटना आ रहे करीब 173 यात्रियों की सांसें 5 मिनट तक अटकी रहीं। दोबारा लैंडिंग के बाद यात्रियों ने राहत महसूस की। सूत्रों के अनुसार, मंगलवार की रात करीब 9 बजे दिल्ली से पटना आने के बाद पायलट ने विमान की लैंडिंग कराई। हालांकि, विमान टचिंग पॉइंट को थोड़ा ओवरशूट कर गया था। पटना एयरपोर्ट का रनवे छोटा है। पायलट को लगा कि रनवे पर विमान को नहीं रोक पाएंगे तो उन्होंने दोबारा विमान को ऊपर उठा लिया। ऐसा होता देख यात्री परेशान हो गए। यात्रियों को लगा कि कोई विमान रनवे पर होगा।

बंगालियों से भेदभाव पर सीएम ममता का पैदल मार्च

● कहा-बीजेपी बंगाली बोलने वालों को परेशान कर रही

सुवेंदु बोले-ये अवैध घुसपैठियों को बचाने की कोशिश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा शासित राज्यों में बंगाली बोलने वाले लोगों के साथ हो रहे कथित उत्पीड़न के खिलाफ विरोध मार्च निकाला।

ममता ने कहा कि बंगालियों के प्रति भाजपा के रवैये से मैं शर्मिंदा और निराश हूं। अब से मैंने तय किया है कि मैं बांग्ला में ज्यादा बोलूंगी। अगर आप मुझे डिटेंशन कैंप में रखना चाहते हैं तो रखें। यह रैली कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से धर्मतला के दोरीना क्रॉसिंग तक निकाली गई। इसमें अभिषेक बनर्जी समेत पार्टी के कई बड़े नेता इस रैली में शामिल हुए। कोलकाता के अलावा पार्टी ने राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में भी इसी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया।

यह ऐसे समय पर हो रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के दौरे पर आने वाले हैं। सीएम ममता ने कहा, मैं आपको (बीजेपी) चैलेंज करती हूं कि साबित कीजिए कि बांग्ला बोलने वाले प्रवासी लोग रोहिंग्या मुसलमान हैं। बंगाल के 22 लाख प्रवासी श्रमिक देश के अन्य हिस्सों में काम कर रहे हैं, उनके पास वैध पहचान दस्तावेज हैं। मैं बंगालियों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं करूंगी। भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को बांग्लादेशी और विदेशी कहकर प्रताड़ित और जेल और डिटेंशन कैंप में भेजा जा रहा है। क्या बंगाल देश का हिस्सा नहीं है।

छांगुर बाबा की मदद कर रहे थे एडीएम, सीओ और इंस्पेक्टर!

● यूपी एटीएस की जांच में बड़ा खुलासा, धर्मांतरण का है मामला

लखनऊ (एजेंसी)। धर्मांतरण और देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहे जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को लेकर जांच एजेंसियों की परत-दर-परत पड़ताल में लगातार बेहद चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। इसी बीच अब कुछ अफसरों की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक एसटीएफ की गोपनीय जांच में खुलासा हुआ है कि छांगुर के मददगार रहे चार प्रशासनिक अफसरों के नाम सामने आए हैं। सूत्रों के मुताबिक ये सभी अफसर साल 2019 से 2024 के बीच बलरामपुर में तैनात रहे हैं। एक रिपोर्ट में मुताबिक, एक एडीएम, दो सर्किल ऑफिसर (सीओ) और एक इंस्पेक्टर की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। इन अफसरों पर छांगुर बाबा के इशारों पर काम करने का आरोप है और ये कई मौकों पर उसे संरक्षण भी देते थे। एटीएस की रिमांड के दौरान इन अफसरों के नाम उछले हैं।

ट्रंप के बाद अब नाटो ने दी भारत को धमकी

● कहा-रूस को नहीं समझाया तो लगाएंगे 100 फीसदी टैरिफ

कहा-रूस को जंग रोकने को कहें, वरना नतीजा भुगतना होगा

ब्रसेल्स (एजेंसी)। नाटो ने भारत, चीन और ब्राजील पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। नाटो महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को कहा कि अगर आप चीन के राष्ट्रपति, भारत के प्रधानमंत्री या ब्राजील के राष्ट्रपति हैं, तो आपको यह समझना होगा कि रूस के साथ व्यापार जारी रखने का भारी नुकसान हो सकता है।

रूट ने बुधवार को अमेरिकी सीनेटरों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इन तीनों देशों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालना चाहिए, ताकि वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें। रूट ने तीनों देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की भी धमकी दी है।

बिहार वोटर लिस्ट को लेकर एकजुट हुआ विपक्ष

संसद का मानसून सत्र

सदन में सरकार को घेरने की तैयारी, काम रोको प्रस्ताव लाया जा सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में बिहार में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन- एसआईआर) को लेकर विपक्ष बड़े राजनीतिक संग्राम की तैयारी में जुट गया है। इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन की पार्टियां एकजुट हो गई हैं और कांग्रेस की अगुआई में चुनाव आयोग के बहाने सरकार को घेरने की रणनीति बना रही हैं। सूत्रों के अनुसार, इस मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और तृणमूल कांग्रेस कार्यस्थगन प्रस्ताव लाने की तैयार कर रही हैं। यह एक संसदीय प्रक्रिया है जिसका उपयोग सदन में किसी अहम मामले पर तत्काल चर्चा करने के लिए कार्यवाही स्थगित करने के लिए किया जाता है। सरकार की सभी मुद्दों पर संसद में चर्चा के लिए आम सहमति बनाने की कोशिशों के बावजूद बिहार की चुनावी सियासत बड़ी बाधा बन सकती है। सरकार के लिए राहत की बात यह है कि

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर पर रोक नहीं लगाई है। अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। सरकार मामला कोर्ट में विचाराधीन होने की ढाल लेकर सदन में पहुंचेगी। 47 दिन पहले हुई थी मानसून सत्र की घोषणा संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इसकी घोषणा 47 दिन पहले ही कर दी गई थी। आमतौर पर सत्र शुरू होने की जानकारी एक हफ्ता या 10 दिन पहले दी जाती है। इतने समय पहले सत्र की घोषणा करने का कारण यह था कि विपक्ष उस समय 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहा था। मानसून सत्र की तारीख सामने आने पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा था कि सरकार ने विशेष सत्र की मांग से ध्यान भटकाने के लिए अचानक मानसून सत्र की घोषणा की है। भारत के इतिहास में कभी भी 47 दिन पहले सत्र की घोषणा नहीं हुई। उन्होंने कहा- प्रधानमंत्री विशेष सत्र से तो भाग सकते हैं, लेकिन मानसून सत्र से नहीं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

भारत में प्रबोधन और पेरियार ललई सिंह का चिंतन: जातिवाद के खिलाफ बराबरी और तर्कशीलता की मशाल

भारत में प्रबोधन की परंपरा सामाजिक असमानताओं, जातिवाद और पाखंड के विरुद्ध जागरूकता लाने के संघर्ष से जुड़ी रही है। भारतीय समाज में सदियों से व्याप्त जातीय भेदभाव, अंधविश्वास और पितृसत्ता ने समाज को भीतर से खोखला किया। ऐसे समय में प्रबोधन का काम उन लोगों ने संभाला जिन्होंने समाज को उसकी वास्तविक समस्या दिखाते हुए परिवर्तन की राह दिखाई। पेरियार ई. वी. रामास्वामी और उनके शिष्य पेरियार ललई सिंह ऐसे ही दो महत्वपूर्ण नाम हैं जिन्होंने भारतीय समाज में बराबरी और इंसानियत का पैगाम दिया। पेरियार ई. वी. रामास्वामी ने दक्षिण भारत में ब्राह्मणवाद और जाति व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन छेड़ा। उन्होंने सामाजिक न्याय, महिला अधिकार और तर्कशीलता की बात की। उनका मानना था कि धर्म के नाम पर शोषण और जातीय भेदभाव इंसानियत के खिलाफ है। पेरियार ने लोगों को अंधविश्वास और पाखंड के खिलाफ सोचने और अपनी आत्म-गरिमा को समझने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि अगर समाज को आगे बढ़ाना है, तो सबसे पहले जातिवाद और छूआछूत जैसी कुरीतियों को समाप्त करना होगा। उनके विचारों ने दलित, पिछड़े और शोषित वर्ग को अपनी स्थिति बदलने और अपने अधिकारों के लिए खड़े होने की ताकत दी। पेरियार ललई सिंह यादव ने पेरियार के विचारों को उत्तर भारत में प्रचारित किया। वे उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से थे और उनका जीवन जातीय भेदभाव और शोषण के खिलाफ संघर्ष में बीता। ललई सिंह ने अपने लेखन और आंदोलनों के माध्यम से पेरियार के तर्कशीलता और सामाजिक न्याय के विचारों को हिंदी भाषी क्षेत्रों तक पहुँचाया। उन्होंने पेरियार के ग्रंथों का हिंदी में अनुवाद कराकर लोगों को आत्म-सम्मान और जातिवाद के खिलाफ सोचने के लिए प्रेरित किया। ललई सिंह का चिंतन इस विचार पर आधारित था कि जाति व्यवस्था केवल एक सामाजिक कुरीति नहीं बल्कि एक शोषणकारी व्यवस्था है, जो समाज के एक बड़े वर्ग को हाशिए पर रखती है। उन्होंने शिक्षा को शोषित वर्ग के लिए सबसे बड़ा हथियार माना और तर्क, विज्ञान और समानता पर आधारित समाज की वकालत की। उनके लिए धर्म का मतलब इंसानियत था, और वह धर्म को शोषण और पाखंड का जरिया बनाने वालों का विरोध करते थे। ललई सिंह ने अपने आंदोलन के दौरान कहा कि अगर हमें समाज को बराबरी पर लाना है, तो हमें जाति, ऊँच-नीच और धर्म के नाम पर फैलाए गए पाखंड को छोड़ना होगा। उन्होंने ब्राह्मणवाद की आलोचना करते हुए कहा कि जब तक समाज में जातीय भेदभाव रहेगा, तब तक सच्चा लोकतंत्र और सच्ची आज़ादी नहीं आ सकती। उन्होंने महिला अधिकारों की वकालत करते हुए कहा कि स्त्रियों को समाज में बराबरी का दर्जा दिए बिना समाज का विकास संभव नहीं है। ललई सिंह ने समाज में व्याप्त अंधविश्वास के खिलाफ तर्कशीलता का प्रचार किया। उनका मानना था कि विज्ञान और तर्क के बिना समाज पाखंड में फँसा रहेगा और अपने वास्तविक विकास को प्राप्त नहीं कर सकेगा। उन्होंने शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण साधन माना जिससे व्यक्ति अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक हो सकता है।

एलन मास्क की एंटी-वोक नीति: एआई को असंवेदनशील बना रही है तकनीकी ताक़त

-भारत जैसे विविध समाज में एंटी-वोक एआई के खतरे

टेक्नोलॉजी, सत्ता और नैतिकता का टकराव

दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहाँ तकनीकी शक्तियाँ हमारी सोच, अभिव्यक्ति और व्यवहार को आकार दे रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में एक व्यक्ति के फैसले पूरी मानवता की सोच पर असर डाल सकते हैं। एलन मास्क, जो स्पेसएक्स, टेस्ला और हाल ही में "एक्स एआई" के ज़रिए एआई में दखल दे रहे हैं, ने सोशल मीडिया और एआई में "एंटी-वोक" एजेंडा को प्राथमिकता दी है। उनके अनुसार "वोकिज्म" समाज में झूठा नैतिक दिखावा है, जिससे समाज में सेंसरशिप, भेदभाव और 'सत्य पर पर्दा' डालने की प्रवृत्ति पैदा हो रही है। मगर सवाल यह है कि क्या मास्क की एंटी-वोक नीति एआई को वास्तव में "स्वतंत्र" बना रही है या इसे असंवेदनशील और पूर्वाग्रही बना रही है? क्या यह समाज के हाशिये पर खड़े लोगों की आवाज़ दबाने का एक नया डिजिटल उपकरण बन रही है? और क्या यह भविष्य के एआई मॉडल्स में नैतिकता, विविधता और करुणा के तत्व को समाप्त कर रही है? इस लेख में हम एलन मास्क की एंटी-वोक नीति, इसके एआई पर प्रभाव, समाज पर संभावित खतरे और इससे उभर रही नैतिक दुविधाओं का गहराई से विश्लेषण करेंगे।

वोकिज्म और एंटी-वोकिज्म: अवधारणा की पड़ताल

"वोक" शब्द अंग्रेज़ी के "वोक" (woke) से आया, जिसका मतलब है सामाजिक अन्याय, नस्लवाद और भेदभाव के प्रति जागरूक रहना। ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन से लेकर महिला अधिकारों, LGBTQ अधिकारों तक, वोकिज्म ने डिजिटल और शहरी जन-मानस में समानता और सह-अस्तित्व की भावना को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई। लेकिन धीरे-धीरे वोकिज्म पर आरोप लगे कि यह "ओवरसेंसिटिविटी" (अत्यधिक संवेदनशीलता) और सेंसरशिप को बढ़ावा दे रहा है। हर बात को 'अपमानजनक' मानकर प्रतिबंध लगाने की प्रवृत्ति बढ़ी, जिससे विचारों की स्वतंत्रता बाधित हुई। इसी के विरोध में "एंटी-वोकिज्म" की धारा उभरी। एलन मास्क ने इसका झंडा उठाते हुए ट्विटर (अब एक्स) को "फ्री स्पीच एबसोल्यूटिस्ट" प्लेटफॉर्म में बदलने और एआई को "वोक प्रोग्रामिंग" से मुक्त करने की घोषणा की।

मास्क की एंटी-वोक नीति: दावे और वास्तविकताएँ

एलन मास्क का दावा है कि वोकिज्म एआई में "झूठे नैरेटिव" डालता है, जिससे यह राजनीतिक रूप से पक्षपाती बन जाती है। उनके अनुसार:

वोकिज्म के चलते एआई से ऐसे जवाब नहीं मिलते जो "कड़वा सत्य" कह सकें।

यह एआई को कॉरपोरेट और वामपंथी एजेंडों का गुलाम बना देता है।

सेंसरशिप और कंटेंट मॉडरेशन की आड़ में असहमत विचारों को दबा दिया जाता है।

लेकिन हकीकत में मास्क की एंटी-वोक नीति भी एक प्रकार की "विचारधारा" ही बन रही है। उनकी एआई नीतियों के तहत अक्सर नस्लीय, लैंगिक और धार्मिक अल्पसंख्यकों की शिकायतों को "ओवरसेंसिटिव" कहकर नजरअंदाज किया जा रहा है। मास्क का "ग्रोथ एट एनी कॉस्ट" (किसी भी कीमत पर विकास) मॉडल एआई में नैतिक सुरक्षा पंक्तियों को हटा रहा है। उदाहरण के लिए: हेट स्पीच और फर्जी सूचनाओं पर नरमी। संवेदनशील कंटेंट मॉडरेशन टीमों में कटौती। एल्गोरिदम को 'फ्री-स्पीच' के नाम पर कट्टरपंथी विचारों को बढ़ावा देने देना। इससे सवाल उठता है: क्या एआई को "स्वतंत्र" बनाना वास्तव में स्वतंत्रता है, या यह शक्तिशाली वर्गों को अपने एजेंडा चलाने का नया प्लेटफॉर्म बन रहा है?

एआई में नैतिकता क्यों ज़रूरी है?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ एक तकनीकी उत्पाद नहीं है। यह अब हमारी: सूचनाओं की प्राथमिकता तय करता है।

समाज में नैरेटिव बनाता है।

चुनावों और जनमत पर प्रभाव डालता है।

शिक्षा और रोजगार के अवसरों को निर्धारित करता है।

ऐसे में एआई में नैतिकता, करुणा और विविधता का होना बेहद ज़रूरी है। अगर एआई को केवल एल्गोरिदमिक 'सत्य' और 'डेटा' का गुलाम बना दिया जाए, तो वह टेक्नोलॉजी नहीं बल्कि डिजिटल उत्पीड़न का नया यंत्र बन जाती है। मास्क की नीति ने एक्स (ट्विटर) पर मॉडरेशन स्टाफ में भारी कटौती कर दी, जिससे हेट स्पीच और महिलाओं के खिलाफ अभद्र भाषा में वृद्धि हुई। सेंसरशिप के नाम पर बनाए गए नए 'फ्री-स्पीच' मॉडल ने समाज में डर और उत्पीड़न का माहौल पैदा किया।

असमानता, नस्लवाद और भेदभाव को और मजबूत कर सकती है। मास्क का एंटी-वोक एजेंडा एआई में उन सुरक्षा कवचों को हटा रहा है जो हाशिये के समाज की रक्षा करते हैं। जब एआई मॉडल से सामाजिक मुद्दों पर बात करने पर वह नस्लीय अपमानजनक भाषा इस्तेमाल करने लगे, या महिलाओं और ट्रांसजेंडर समुदाय के खिलाफ हिंसात्मक भाषा को 'फ्री-स्पीच' कहकर बढ़ावा देने लगे, तब तकनीकी प्रगति पर सवाल उठना लाज़मी है।

टेक्नोलॉजी और सामाजिक जवाबदेही का रिश्ता

एलन मास्क के लिए एआई एक प्रयोगशाला है, लेकिन समाज के लिए यह रोजमर्रा की ज़िंदगी है। एआई में भेदभावपूर्ण डेटा, असंवेदनशील जवाब और हेट स्पीच का बढ़ना अल्पसंख्यकों और कमजोर तबकों पर सीधा असर डालता है। यदि एआई यह निर्णय लेने लगे कि किसकी बात सुननी है और किसकी अनदेखी करनी है, तो यह सत्ता का नया केंद्रीकरण बन जाएगा। "एंटी-वोक एआई" के नाम पर जब प्लेटफॉर्म्स पर अल्पसंख्यकों की शिकायतों को अनदेखा किया जाता है, तब वह

भारतीय संदर्भ में खतरे

भारत में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। हेल्थकेयर, एजुकेशन, प्रशासन, कृषि, न्याय व्यवस्था, मीडिया और सोशल मीडिया में एआई का दखल बढ़ने से डेटा और नैरेटिव की शक्ति बढ़ गई है। यदि एंटी-वोक नीतियों पर आधारित एआई भारत में भी लागू हुए: जातिवाद और धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों की आवाज़ दब सकती है। दलितों, महिलाओं और कमजोर तबकों के मुद्दों को "ओवरसेंसिटिव" करार देकर नजरअंदाज किया जा सकता है। हेट स्पीच और फर्जी खबरों के खिलाफ शिकायतों को "फ्री-स्पीच" के नाम पर खारिज किया जा सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर सत्ता में बैठे लोग अपने एजेंडा को और मजबूत कर सकते हैं। भारत जैसे विविधता वाले देश में एआई में नैतिकता और संवेदनशीलता की अनदेखी का अर्थ होगा हाशिये के लोगों को और हाशिये पर ढकेल देना।

तकनीकी प्रगति बनाम मानवीय संवेदना

एआई के विकास की होड़ में एलन मास्क और उनकी एक्स एआई जैसी कंपनियाँ नैतिक चिंताओं को "रुकावट" मान रही हैं। उनके लिए डेटा, एल्गोरिदम और 'सत्य' सबसे ऊपर है। मगर समाज में विविध पृष्ठभूमियों, असमानता, ऐतिहासिक अन्याय और संवेदनशील मुद्दों को दरकिनार कर तकनीकी विकास मानवता के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। यदि कोई काली त्वचा वाला व्यक्ति नस्लवाद पर बात करना चाहे और एआई उसे "ओवरसेंसिटिव" कहकर मॉक करे, या कोई महिला यौन उत्पीड़न पर बात करे और एआई उसे "वोक" बताकर चुप करवा दे, तो यह केवल असंवेदनशीलता नहीं, अन्याय का डिजिटलीकरण है।

समाधान: संवेदनशील और न्यायपूर्ण एआई की ज़रूरत

एआई में डी-वेपोनाइजेशन: एआई को सत्ता और बाजार के एजेंडा का हथियार नहीं बनने देना चाहिए।

समावेशी डेटा सेट्स: एआई को विविध समाजों और भाषाओं को समझने और उनके प्रति संवेदनशील बनने की ज़रूरत है।

स्वतंत्र और जवाबदेह मॉडरेशन: मॉडरेशन को खत्म करने के बजाय उसमें पारदर्शिता और जवाबदेही लाई जानी चाहिए।

नैतिकता के लिए नीति: एआई कंपनियों को एआई के नैतिक उपयोग के लिए बाध्यकारी नीतियों को लागू करना होगा। लोकतांत्रिक भागीदारी: एआई के विकास में अल्पसंख्यकों, महिलाओं, हाशिये के लोगों और अलग-अलग समाजों की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

एलन मास्क ने तकनीकी क्षेत्र में साहसिक कदम उठाए हैं, इसमें कोई शक नहीं। मगर एंटी-वोक नीति के नाम पर एआई को असंवेदनशील बनाना मानवता के लिए दीर्घकालिक खतरा है। जब टेक्नोलॉजी समाज पर प्रभाव डालती है, तब उसे समाज के प्रति जिम्मेदार होना ही पड़ेगा। विचारों की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन अभद्रता और उत्पीड़न की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती। "फ्री-स्पीच" और "वोक" के बीच संतुलन बनाकर ही एक न्यायपूर्ण, संवेदनशील और मानवीय समाज का निर्माण किया जा सकता है।

बगान: म्यांमार में आध्यात्मिकता और कला का संगम

-बगान की सीख: शांति, साधना और कला

म्यांमार की शान, बगान, सिर्फ ईंट-पत्थर का खंडहर नहीं है, बल्कि यह धरती पर बसी एक ऐसी नगरी है जहाँ कला और आध्यात्मिकता साथ-साथ सांस लेते हैं। इरावदी नदी के किनारे फैला यह नगर 11वीं से 13वीं सदी के बीच बौद्ध धर्म के एक महान केंद्र के रूप में उभरा। बगान में फैले हुए हजारों पगोडा, स्तूप और मठ आज भी भले ही खंडहरों में बदल गए हों, लेकिन इनकी दीवारों में उकेरे गए बुद्ध के जीवन प्रसंग और रंग-बिरंगी भित्तिचित्र आज भी समय के थपेड़ों को चीरते हुए अमर खड़े हैं।

इतिहास: राजा अनावरता की सांस्कृतिक क्रांति

बगान का वास्तविक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उत्कर्ष 1044 ईस्वी में राजा अनावरता के शासन में शुरू हुआ। अनावरता ने थेरवाद बौद्ध धर्म को राज्य धर्म का दर्जा दिया और पूरे क्षेत्र में मठ, पुस्तकालय और पगोडा बनवाए। उनके शासन में बगान ने लगभग 10,000 धार्मिक स्मारकों का निर्माण देखा। यह निर्माण कार्य न सिर्फ उनके राजनीतिक शक्ति का प्रमाण था, बल्कि यह उनकी गहरी आस्था और समाज में बौद्ध शिक्षा के प्रचार का भी प्रतीक था। राजा अनावरता ने श्रीलंका से बौद्ध ग्रंथ मंगवाए और पाली भाषा में उनका प्रचार करवाया। बगान, शिक्षा और साधना का गढ़ बन गया, जहाँ दूर-दूर से साधु-संत और विद्वान अध्ययन और ध्यान के लिए आते थे।

बौद्ध कला का जीवंत संग्रहालय

बगान को खुले आकाश के नीचे बौद्ध कला का सबसे बड़ा संग्रहालय कहा जाए तो गलत नहीं होगा। यहाँ की पगोडा और मंदिर स्थापत्य कला के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। धम्मयांगयी मंदिर अपनी भव्यता और ईंट जोड़ने की बेहतरीन तकनीक के लिए प्रसिद्ध है। अनंद मंदिर को बगान का रत्न कहा जाता है, जहाँ बुद्ध की चार विशाल प्रतिमाएँ चारों दिशाओं में खड़ी हैं। श्वेजिगोन पगोडा को बौद्ध श्रद्धा का केंद्र माना जाता है, जिसका निर्माण अनावरता ने शुरू किया और उनके पुत्र ने पूर्ण किया। इन स्मारकों की दीवारों पर बने भित्तिचित्रों में जातक कथाएँ, बुद्ध के जीवन प्रसंग और म्यांमार की तत्कालीन सामाजिक झलक देखने को मिलती है। इन चित्रों में प्रयुक्त रंग, तत्कालीन प्राकृतिक रंगों से बनाए गए थे, जो आज भी अपनी चमक और गहराई में प्रभावशाली दिखते हैं।

आध्यात्मिकता: ध्यान और आस्था का संगम

बगान की भूमि आज भी साधना के लिए उपयुक्त मानी जाती है। यहाँ सुबह और शाम को जब सूरज की किरणें पगोडा के सुनहरे गुंबदों पर पड़ती हैं, तो एक अद्भुत आध्यात्मिक वातावरण बनता है। मंदिरों में बुद्ध की शांत प्रतिमाओं को देखकर मन स्वाभाविक रूप से ध्यान की ओर झुकता है। यहाँ आने वाले यात्री भले ही पर्यटक हों, लेकिन यहाँ की ऊर्जा और शांत वातावरण उन्हें भी ध्यान और आत्मचिंतन के लिए प्रेरित कर देता है। बहुत से यात्री यहाँ ध्यान शिविरों में भाग लेते हैं, जहाँ बौद्ध भिक्षु उन्हें विपस्सना और बौद्ध साधना की विधियाँ सिखाते हैं।

बगान की कला में सामाजिक **जीवन की झलक**

बगान की कला सिर्फ धार्मिक कहानियों तक सीमित नहीं है। यहाँ की मूर्तिकला और चित्रों में तत्कालीन म्यांमार का सामाजिक जीवन, उनके वस्त्र, संगीत वाद्ययंत्र, युद्ध के दृश्य, उत्सव और सामान्य जनजीवन की झलक भी मिलती है। यह कला, उस समय के कारीगरों की सूक्ष्म दृष्टि और कल्पनाशीलता का प्रमाण है। मूर्तियों में बुद्ध के चेहरे पर बनी शांति, हाथों की मुद्राएँ और चित्रों में प्रकृति के दृश्य, इस सभ्यता की परिष्कृत कलात्मक अभिव्यक्ति को दर्शाते हैं।

जलवायु और बगान की आत्मा

बगान का मौसम गर्म और शुष्क होता है, यहाँ वर्ष में बहुत कम बारिश होती है। यहाँ की धूल भरी सड़कें और लाल मिट्टी के टीले, मंदिरों के सुनहरे गुंबदों और ईंट के रंग में मिलकर एक अलग रंग-संयोजन तैयार करते हैं। जब सूर्यास्त के समय लाल सूरज मंदिरों के बीच छुपता है, तो ऐसा लगता है मानो समय ठहर गया हो। यह वातावरण यात्रियों को अतीत की यात्रा पर ले जाता है और उनके अंदर की आध्यात्मिक यात्रा को भी जागृत करता है।

भूकंप और संरक्षण की चुनौती

बगान ने कई भूकंपों को झेला है। सबसे विनाशकारी भूकंप 1975 में आया, जिसमें सैकड़ों पगोडा और मंदिर क्षतिग्रस्त हो गए। हालाँकि, म्यांमार सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने मिलकर इनके संरक्षण के लिए प्रयास किए हैं। 2019 में, यूनेस्को ने बगान को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया, जिसके बाद संरक्षण की दिशा में और तेजी आई। लेकिन आज भी बहुत से मंदिरों की हालत जर्जर है और इनके संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं।

पर्यटन: आध्यात्मिकता और रोजगार का जरिया

बगान, म्यांमार के पर्यटन का केंद्र बन चुका है। यहाँ हर साल लाखों पर्यटक आते हैं, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है। यहाँ गर्म हवा के गुब्बारों से बगान के मंदिरों को देखने का अनुभव यात्रियों को जीवनभर याद रहता है। पर्यटन से यहाँ की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि बगान की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान भी मिल रही है।

बगान की सीख: शांति, साधना और कला

बगान हमें यह सिखाता है कि सच्चा विकास, आत्मिक और सांस्कृतिक विकास से होता है। भव्य मंदिर, भित्तिचित्र और बुद्ध की शांत प्रतिमाएँ हमें शांति, करुणा और धैर्य का संदेश देती हैं। इस नगरी का हर पत्थर यह कहता है कि इंसान चाहे कितनी भी ऊँचाइयों पर पहुँचे, उसे अपनी आत्मा की आवाज सुननी चाहिए और अपने जीवन में संतुलन बनाए रखना चाहिए। बगान सिर्फ मंदिरों और पगोडा का शहर नहीं है, यह एक जीवित इतिहास है, जहाँ हर सुबह और हर सूर्यास्त पर आध्यात्मिकता का स्पर्श होता है। यहाँ की कला, स्थापत्य और आध्यात्मिकता हमें याद दिलाते हैं कि जीवन में सादगी, शांति और साधना का क्या महत्व है। बगान हमें यह भी सिखाता है कि हम चाहे कितनी भी उन्नति कर लें, हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों और आत्मिक मूल्यों से जुड़े रहना चाहिए। आज जब पूरी दुनिया अशांति, भागदौड़ और तनाव से जूझ रही है, तब बगान हमें आत्मिक विश्राम और ध्यान का संदेश देता है। बगान की भूमि, धूल और हवा में आज भी वह प्राचीन शांति बसी है, जो हमें भीतर से जोड़ती है। 11वीं-13वीं सदी में राजा अनावरता के समय यहाँ हजारों पगोडा और मंदिर बने, जो बौद्ध साधना और शिक्षा का केंद्र बने। अनंद मंदिर, श्वेजिगोन पगोडा और धम्मयांगयी जैसे भव्य मंदिर यहाँ की वास्तुकला और भित्तिचित्रों में बुद्ध की शिक्षा और तत्कालीन समाज की झलक दिखाते हैं। बगान का शांत वातावरण और सूरज की किरणों में नहाए सुनहरे गुंबद आत्मचिंतन और ध्यान के लिए प्रेरित करते हैं।

यूसुफ़ मेहर अली: 'भारत छोड़ो' का नारा देने वाला आज़ादी का गुमनाम सिपाही

23 सितंबर 1903 को मुंबई में जन्मे यूसुफ मेहर अली को बचपन से ही क्रांतिकारी आंदोलनों में दिलचस्पी थी। उन्होंने हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद ही आजादी के संघर्ष में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। यूसुफ मेहर अली एक समाजवादी विचारधारा वाले नेता थे। वर्ष 1942 में जब उन्हें बॉम्बे का मेयर चुना गया था तब वे यरवदा सेंट्रल जेल में कैद थे। यूसुफ मेहर अली ने 'क्विट इंडिया' का नारा दिया था। यूसुफ मेहर अली ने ही 'साइमन गो बैक' का नारा दिया था और किसान और ट्रेड यूनियन आंदोलनों में भी अहम भूमिका निभाई। यही नहीं जब अंग्रेजों के खिलाफ देश अंतिम लड़ाई लड़ने के मूड में था तो गांधी जी को इस लड़ाई के लिए एक ऐसा नारा चाहिए था जो देशभर के नागरिकों को अंग्रेजी शासन के खिलाफ उठ खड़ा होने के लिए प्रेरित करे। तब कांग्रेस नेता और मुंबई के मेयर यूसुफ महर अली ने 'क्विट इंडिया' का सुझाव दिया और महात्मा गांधी ने इसे तुरंत स्वीकार कर लिया। ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारत की आजादी के इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन में महात्मा गांधी के साथ यूसुफ मेहर अली ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

"भारत छोड़ो" जैसा गूंजता नारा अगर आज़ादी की लड़ाई की पहचान बना, तो उसके पीछे एक बेबाक और दूरदर्शी क्रांतिकारी का नाम था – यूसुफ़ मेहर अली। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में कई नाम ऐसे हैं जिन्हें हमारी किताबों में उतनी जगह नहीं मिली, जितनी उन्होंने हमारी आज़ादी के लिए अपनी जवानी और आराम कुर्बान कर दी। यूसुफ़ मेहर अली भी ऐसे ही एक ईमानदार, कर्मठ और विचारशील सेनानी थे। उन्होंने न सिर्फ सड़कों पर उतर कर ब्रिटिश हुकूमत का विरोध किया, बल्कि उन्होंने आज़ादी की लड़ाई को मज़दूरों, किसानों और आम इंसान की लड़ाई से भी जोड़ा। आज जब हम स्वतंत्रता दिवस या गांधी जयंती पर आज़ादी के नायकों को याद करते हैं, तब यूसुफ़ मेहर अली का नाम अक्सर छूट जाता है, लेकिन हक़ीक़त में उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा को जन-जन तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

बचपन और आरंभिक जीवन

यूसुफ़ मेहर अली का जन्म 23 सितंबर 1903 को मुंबई में एक समृद्ध पारसी परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम मेहर अली था। आर्थिक रूप से समृद्ध परिवार में जन्म लेने के बावजूद यूसुफ़ ने अपना जीवन राष्ट्र सेवा और समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने एल्फिन्स्टन कॉलेज, मुंबई से पढ़ाई पूरी की और बाद में कानून की डिग्री हासिल की। लेकिन वकालत का करियर बनाने के बजाय वह स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। देश के हालात ने उनके दिलो-दिमाग को झकझोर दिया था, और उन्होंने अपनी शिक्षा का उपयोग अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ आवाज़ उठाने और जनजागरूकता फैलाने में किया।

स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

यूसुफ़ मेहर अली का सक्रिय राजनीतिक जीवन 1928 में साइमन कमीशन के विरोध से शुरू हुआ। उन्होंने मज़दूरों और युवाओं को एकजुट कर आंदोलन को ताक़त दी। वह गांधी जी के विचारों से प्रभावित थे, लेकिन उन्होंने आंदोलन में सक्रियता और जन-भागीदारी पर विशेष बल दिया। 1930 में 'सिविल डिसओबीडियंस मूवमेंट' के दौरान वह गिरफ्तार हुए। इसके बाद उनका जेल आना-जाना चलता रहा। उन्होंने करीब 8 बार जेल यात्रा की और कुल मिलाकर 10 साल से अधिक का समय जेल में बिताया। यूसुफ़ मेहर अली ने "भारत छोड़ो" और "अंग्रेज़ो भारत छोड़ो" जैसे नारे दिए, जो बाद में स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक बन गए। इन नारों ने पूरे देश में आज़ादी की भावना को और तेज़ कर दिया।

"भारत छोड़ो आंदोलन" का नारा 1942 में जब महात्मा गांधी ने "भारत छोड़ो आंदोलन" का आह्वान किया, तब "भारत छोड़ो" का नारा यूसुफ़ मेहर अली ने ही तैयार किया था। यह नारा इतना प्रभावी और जन-भावनाओं से जुड़ा हुआ था कि उसने ब्रिटिश सरकार को हिला कर रख दिया। सिर्फ नारा देने तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने गुप्त पर्चे, रेडियो प्रसारण और अंडरग्राउंड नेटवर्क बनाकर आंदोलन को गति दी।

मज़दूर आंदोलन में योगदान

यूसुफ़ मेहर अली ने समझा कि आज़ादी की लड़ाई तभी सफल होगी जब उसमें आम जनता की भागीदारी होगी। इसलिए उन्होंने मज़दूर आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने बॉम्बे टेक्सटाइल लेबर यूनियन की स्थापना की और मज़दूरों के अधिकारों के लिए आवाज़ उठाई। उनका मानना था कि मज़दूरों और किसानों की दशा सुधारने के बिना देश को वास्तविक आज़ादी नहीं मिल सकती। इसलिए उन्होंने मज़दूरों के आंदोलन को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़कर ब्रिटिश शासन को चुनौती दी।

किसानों के हक़ में आवाज़

यूसुफ़ मेहर अली ने न सिर्फ मज़दूरों बल्कि किसानों के लिए भी संघर्ष किया। उन्होंने किसानों के संगठन बनाए और उनका नेतृत्व किया। उन्होंने किसानों को अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए जागरूक किया और अंग्रेज़ों द्वारा किए जा रहे शोषण के खिलाफ आवाज़ उठाई। उन्होंने देश के अलग-अलग हिस्सों में जाकर किसानों को संगठित किया और उनके मुद्दों को राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल करने की वकालत की।

लेखक और विचारक

यूसुफ़ मेहर अली एक संवेदनशील लेखक और विचारक भी थे। उन्होंने "लीडर्स ऑफ़ इंडिया", "द कॉस्ट ऑफ़ इंडिया", "व्हाट स्टेप्स नेक्स्ट?", "भारत छोड़ो" जैसी कई किताबें लिखीं। उनकी लेखनी सरल, प्रभावी और जागरूकता बढ़ाने वाली थी। उनकी किताबें आज भी स्वतंत्रता संग्राम के दौर की सच्चाई, ब्रिटिश शासन की नीतियों और जनता की समस्याओं का दस्तावेज़ मानी जाती हैं।

महात्मा गांधी से संबंध

यूसुफ़ मेहर अली महात्मा गांधी से बहुत प्रभावित थे और उन्होंने गांधी जी की अहिंसा, सत्याग्रह और स्वदेशी की नीतियों को अपनाया। हालांकि वह खुद क्रांतिकारी विचारधारा से जुड़े थे, लेकिन उन्होंने हमेशा हिंसा का विरोध किया और जन-आंदोलनों के माध्यम से स्वतंत्रता की राह बनाई। गांधी जी ने भी यूसुफ़ मेहर अली की कार्यशैली और उनके नेतृत्व को सराहा था और उन्हें आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका सौंपी थी।

उपेक्षित नायक

आज़ादी के 75 साल बाद भी यूसुफ़ मेहर अली का नाम आम चर्चा में बहुत कम आता है। उनका योगदान, उनके विचार और उनके द्वारा दिया गया "भारत छोड़ो" जैसा नारा हमारी आज़ादी की पहचान है। हमें स्कूलों, कॉलेजों और समाज में उनके विचारों और संघर्ष की कहानियों को साझा करना चाहिए ताकि नई पीढ़ी स्वतंत्रता संग्राम के असली नायकों के बारे में जान सके।

मृत्यु और उनकी विरासत

2 जुलाई 1950 को यूसुफ़ मेहर अली का देहांत हो गया। वह सिर्फ 47 वर्ष की आयु में दुनिया से चले गए।

दादिया में गुरुवार को सहकार एवं रोजगार उत्सव का आयोजन

-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला, युवा, किसान, गरीब के सपनों को कर रही पूरा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में गुरुवार को जयपुर के ग्राम दादिया में सहकार एवं रोजगार उत्सव का आयोजन होगा। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार शाम को सभा स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का विस्तृत जायजा लेकर अंतिम रूप दिया तथा संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश प्रदान किए। शर्मा ने कार्यक्रम स्थल पर मीडिया से बातचीत में कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार आमजन से संकल्प पत्र में किए गये वादों को पूरा कर रही है। अंतिम पायदान पर खड़े जरूरतमंद व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। युवाओं से किये वादे को पूरा करते हुए गुरुवार को आयोजित होने वाले रोजगार उत्सव में नियुक्त पत्र दिये जाएंगे। उन्होंने कहा कि सहकारिता का गांव, किसान, गरीब और मजदूर से अहम जुड़ाव है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में इसके विस्तार से इन वर्गों का उत्थान हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निरंतर गृह विभाग को जरूरी संसाधन उपलब्ध करवा रही है, जिससे पुलिस और बेहतर काम कर सके।

आगंतुकों के लिए श्रेष्ठ व्यवस्थाएं सुनिश्चित हो—

इससे पहले मुख्यमंत्री ने सभा स्थल का निरीक्षण कर आमजन के आगमन और प्रस्थान मार्गों तथा सहकारिता से संबंधित प्रदर्शनी स्थल का अवलोकन किया। साथ ही, उन्होंने बैठक, पेयजल, पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को आमजन के लिए जरूरी सुविधाएं एवं बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, सांसद मदन राठौड़, सी.पी. जोशी, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित संबंधित उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए अन्तर्राज्यीय मंथन आवश्यक

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को सराहा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। आंध्र प्रदेश के बीसूका चेयरमेन दिनाकर लंका ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने दिशा में केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं अहम भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार से सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो रहा है। विकसित भारत की परिकल्पना को वास्तविक रूप देने के लिए केन्द्र और राज्यों की कल्याणकारी योजनाओं का अन्तर्राज्यीय मंथन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं की क्रियान्विति पर मंथन, प्रचलित पद्धतियों और विचारों के आदान-प्रदान से अन्य राज्य भी अपनी योजनाओं को सुदृढ़ कर और अधिक प्रभावी बना सकते हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में सर्वोत्तम प्रथाओं के पारस्परिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एक-दूसरे से सीखकर और सफल मॉडलों का अनुकरण करके हम विभिन्न विकासात्मक पहलों की दक्षता और प्रभाव को बढ़ा सकते हैं। दिनाकर लंका बुधवार को प्रमुख शासन सचिव आयोजना भवानी सिंह देथा की अध्यक्षता में योजना भवन में बीस सूत्रीय कार्यक्रम, विकसित भारत 2047 के लिए सतत विकास लक्ष्यों को अर्जित करने व योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित बैठक में सहभागिता कर रहे थे। दिनाकर लंका ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान की प्रभावी योजनाओं और उनके दक्ष क्रियान्वयन से 'विकसित राजस्थान 2047' की परिकल्पना साकार होती दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों के लिए भी राजस्थान एक प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभरा है। दिनाकर ने राजस्थान सरकार की सराहना करते हुए कहा कि गुरु गोलवलकर आशान्वित ब्लॉक विकास योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से राजस्थान ने अपने सबसे पिछड़े 41 ब्लॉक्स का विकास सुनिश्चित किया है, आंध्र प्रदेश भी इसी प्रकार कार्य करेगा। उन्होंने राज्य सरकार की मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा) योजना, पंच गौरव, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा 2025, वन्दे गंगा अभियान, आरजीएचएस, राजस्थान जनआधार योजना सहित विभिन्न योजनाओं व अभियानों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम स्वनिधि योजना, मनरेगा सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति और प्रभावी क्रियान्वयन की भी जानकारी ली।

दौसा जिले ने पौधारोपण में हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि

-एक ही दिन में लगाए 1 लाख 85 हजार पौधे

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। "एक पेड़ माँ के नाम" और " हरियालो राजस्थान" को नई ऊँचाईयों पर पहुंचाते हुए दौसा जिले ने बुधवार को सामाजिक भागीदारी और प्रशासनिक कुशलता के समन्वय का नया इतिहास रच दिया। बुधवार को दौसा जिले में 1.85 लाख पौधे लगाए गये। जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार की पहल पर बुधवार को पौधारोपण को लेकर पूरे जिले में उत्साह का माहौल रहा। जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और जिलावासियों ने मिलकर गांव-गांव में पौधे लगाकर एक ही दिन में 1 लाख 85 हजार पौधे लगाने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जिसमें महिलाओं की विशेष भागीदारी रही। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने रामगढ़ पचवारा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत हेमल्यावाला में पौधारोपण किया। महवा विधायक राजेन्द्र मीणा ने ग्राम पंचायत हड़िया, सिकराय विधायक विक्रम बंशावाल ने ग्राम पंचायत पिलोड़ी तथा बांदीकुई विधायक भागचंद टांकड़ा ने ग्राम पंचायत घुड़लिया एवं केसरीसिंहपुरा में पौधारोपण कर विधानसभा स्तरीय कार्यक्रमों में भागीदारी निभाई और ग्रामीणों को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल कर पेड़ बनाने के लिए प्रेरित किया। ग्राम पंचायत हेमल्यावाला में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आह्वान पर इस मानसून सीजन के दौरान पूरे प्रदेश में सघन पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत दौसा जिले में भी 17 लाख पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आमजन को पौधारोपण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यह वृहद अभियान चलाया गया है, जिसके तहत आज एक ही दिन में एक साथ सभी ग्राम पंचायतों में डेढ़ लाख से अधिक पौधे लगाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से अधिकाधिक पौधारोपण कर इस अभियान में भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

जेडीए ने पन्द्रह बीघा भूमि पर चार अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में निजी खातेदारी करीब 03 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। जोन-12 निजी खातेदारी करीब 12 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया को जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित नायला बांध के पास, नायला रोड़, जिला जयपुर में करीब 03 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के, बाउन्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायतासे ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित सीकर रोड़, जिला जयपुर में करीब 03 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "आनन्द लोक" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायतासे ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जेडीए द्वारा जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित सीकर रोड़, जिला जयपुर में ही करीब 04 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "आनन्द लोक द्वितीय" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायतासे ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम बिहारीपुरा, जिला जयपुर में करीब 05 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "श्याम ग्रीन सिटी" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायतासे ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, तृतीय प्रवर्तन अधिकारी जोन-13, 12 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबरगार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2024 में 383 व वर्ष 2025 में 228 आज तक कुल 611 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

नीलाम खानों को परिचालन में लाने के लिए राज्य सरकार गंभीर

-स्टेक होल्डर्स प्राथमिकता से आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करें, मुख्यमंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। खान, भू विज्ञान एवं पेट्रोलियम के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने कहा है कि प्रमुख खनिजों की नीलामी में समूचे देश में अग्रणी होने के साथ ही अब नीलाम खानों को परिचालन में लाने में भी राज्य अग्रणी राज्यों में शुमार हो जाएगा। अगले तीन से चार माह में आवश्यक अनुमतियों की औपचारिकताएं पूरी करवाकर करीब 10 प्रधान खनिज खानों को परिचालन में लाया जा सकेगा। उन्होंने स्टेक होल्डर्स से कहा कि वे तय समय सीमा में आवश्यक औपचारिकताएं व संबंधित स्थानों पर आवेदन प्रस्तुत करें ताकि समय पर अनुमतियां जारी हो सके। टी. रविकान्त बुधवार को आरआईसी में खान, वन एवं पर्यावरण, सीया, जीएसआई, आईबीएम व स्टेक होल्डर्स के साझा मंच को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नीलाम खानों को जल्द से जल्द परिचालन में लाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि संबंधित विभाग परस्पर सहयोग व समन्वय से नीलाम खानों को आवश्यक अनुमतियां जारी कर परिचालन के समन्वित प्रयास करें ताकि प्रदेश में खनिज क्षेत्र में निवेश, रोजगार और राजस्व में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 से नीलामी प्रावधान के बाद से अब तक केवल 5 खानों में कार्य आरंभ हो सका है। हमारा प्रयास है कि अगले महीनों में प्राथमिकता से कार्य करते हुए 10 नई खानों में कार्य आरंभ हो जाए। रविकान्त ने कहा कि स्टेक होल्डर्स अनुमतियों के लिए आवश्यक आवेदन करने में देरी ना करें। रविकान्त ने सीया से आग्रह किया कि वे एक मानक चैक लिस्ट उपलब्ध करवा दें ताकि स्टेक होल्डर्स द्वारा उसी के अनुसार दस्तावेज प्रस्तुत किए जा सकें। इसी तरह से अन्य अनुमतियों की भी एसओपी उपलब्ध हो जाए तो स्टेक होल्डर्स उसके अनुसार कार्रवाई कर सके। उन्होंने केन्द्र सरकार की पर्यावरण स्वीकृति के पहले स्टडी के केन्द्र सरकार के अनुमोदित सलाहकारों की सूची भी उपलब्ध करा दें व आवश्यक समझे जाने पर स्टेक होल्डर्स व सलाहकारों का ओरिएंटेशन भी करवाया जा सकता है। उन्होंने सभी संबंधित संस्थाओं से आग्रह किया कि नीलाम खानों की अनुमतियों के लिए प्राप्त प्रस्तावों पर प्राथमिकता से निर्णय ले ताकि समय पर जरूरी अनुमतियां जारी होने से परिचालन आरंभ हो सके।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की बड़ी कार्रवाई

-6 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 6 केन्टर सामान जब्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में टोंक रोड़, सांगानेर, वाटिका रोड़, रिंग रोड़ पत्रिका गेट, जेएलएन मार्ग से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध 6 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 6 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में टोंक रोड़, सांगानेर, वाटिका रोड़, रिंग रोड़ पत्रिका गेट, जेएलएन मार्ग से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 6 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 6 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

वैकल्पिक जल निकासी मार्ग चिन्हित करें, नए डायवर्जन की योजना बनाएं, बिरला

-स्पीकर बिरला ने अधिकारियों के साथ किया अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कोटा शहर में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। स्पीकर बिरला सबसे पहले रानपुर पहुंचे जहां उन्होंने अधिकारियों के साथ स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि तेज बारिश से व्यापक फ्लैश फ्लड की स्थिति बनी थी। कुछ ही घंटों में 150 मिमी से अधिक वर्षा हुई, जिससे अधिकांश नालों में भारी प्रवाह और क्षमता से अधिक जलभराव हुआ। बिरला ने अधिकारियों को कहा कि जलभराव के स्थायी समाधान के लिए बहु-विकल्पीय समाधान खोजे जाएं और प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत सर्वे कर प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने रानपुर तालाब और अलनिया क्षेत्र में जल को चम्बल नदी की ओर मोड़ने के लिए विशेष डायवर्जन की योजना पर भी चर्चा की। बिरला ने अधिकारियों का कहा कि नालों की क्षमता बढ़ाई जाए, वैकल्पिक जल निकासी मार्ग चिन्हित कर शीघ्र कार्य योजना तैयार की जाए। उन्होंने देवली अरब क्षेत्र की आवासीय कॉलोनियों में जलभराव से बार-बार होने वाली समस्या के समाधान के लिए नवीन डायवर्जन के निर्माण की योजना बनाने के निर्देश दिए।

बोरखंडी विद्यालय का किया निरीक्षण—

बोरखंडी राजकीय विद्यालय में प्लास्टर गिरने की जानकारी मिलने पर स्पीकर बिरला ने विद्यालय पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने निगम के अधिकारियों से तुरंत विद्यालय की मरम्मत करने के निर्देश दिए। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को बरामदे के निर्माण का प्रस्ताव बनाने के साथ जिले में ऐसे विद्यालय भवनों को चिन्हित करने के निर्देश दिए।

मृतकों के परिजनों को बंधाया ढांढस—

लोकसभा अध्यक्ष ने निमोदा हरिजी पहुंचकर चम्बल नदी में तेज बहाव के कारण हुए हादसे के मृतकों के परिजनों से भी भेंट की। बिरला ने दिवंगत युवकों के परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त की और ढांढस बंधाया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ित परिवारों को सहायता उपलब्ध कराएं, इसके साथ ही, उन्होंने जिला कलक्टर को हादसे की जांच को लेकर समिति गठित करने के निर्देश दिए। दौरे में विभिन्न स्थानों पर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, जिला कलक्टर पीयूष समारिया, लोकसभा अध्यक्ष के ओएसडी राजीव दत्ता, केडीए आयुक्त हरफूल सिंह यादव पुलिस अधीक्षक सहित प्रशासन एवं पुलिस के विभिन्न अधिकारी, महापौर राजीव अग्रवाल, जिला अध्यक्ष शहर राकेश जैन ग्रामीण प्रेम गोचर सहित अन्य उपस्थित रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कोटा संभाग के साथ बैठक

-जागरूकता से मिलेगी कार्यक्रम को सफलता, नवीन महाजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा प्रदेश के आमजन में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न) कार्यक्रम की जागरूकता के लिए ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक आवश्यक संख्या में हेल्प डेस्क स्थापित किए जाए एवं इन हेल्प डेस्क पर कार्यक्रम और उसके दिशा-निर्देशों से पूर्ण रूप से अवगत व्यक्ति को नियुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश का प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मताधिकार का सही तरीके से प्रयोग कर सके, इसके लिए एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न) कार्यक्रम के माध्यम से मतदाता सूचियों के शोधन और पारदर्शिता को सुनिश्चित किया जाएगा। महाजन बुधवार को शासन सचिवालय में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी समय में प्रस्तावित फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न) एवं अन्य निर्वाचन संबंधी कार्यों की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। महाजन ने कहा कि कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक मानव संसाधनों जैसे बीएलओ, सूचना सहायक, पर्यवेक्षक आदि की समय रहते नियुक्ति कर विशेष प्रशिक्षण दिया जाए। इसके साथ ही, स्वयंसेवकों का चयन शीघ्र कर उन्हें भी आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि रैंडम चैकिंग के लिए विशेष निरीक्षण दलों का गठन कर कार्यक्रम की मॉनिटरिंग की जाए किया जाए, ताकि प्रदेश का कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से वंचित न रह सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी संबंधित राजनीतिक दलों से समन्वय करते हुए बूथ लेवल एजेंट्स की नियुक्ति शीघ्र करवाई जाए। उन्होंने कहा कि पोलिंग स्टेशनों के रेशनलाइजेशन का कार्य मतदाताओं की संख्या, दूरी, पहुंच, सहूलियत और मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि आईईसी गतिविधियों के व्यापक उपयोग से एसआईआर कार्यक्रम की जानकारी को सरल एवं प्रभावी रूप में आम मतदाताओं तक पहुँचाया जाए। बैठक में कोटा संभाग के संभागीय आयुक्त, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अधीनस्थ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

विश्व न्याय दिवस पर स्कूल में संवैधानिक जागरूकता

-बच्चों ने सीखे न्याय के सिद्धांत

जाफर लोहानी

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। मनोहरपुर के समीप शाहपुरा में रेडियन्स पब्लिक स्कूल में आज 17 जुलाई को इंटरनेशनल जस्टिस डे के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों को भारतीय संविधान, मौलिक अधिकार और न्याय व्यवस्था की जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम विशेष रूप से छात्रों को न्याय और अधिकारों के प्रति सजग बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य प्रस्तुति वरिष्ठ अध्यापक लक्ष्मी नारायण ने दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि एक जिम्मेदार नागरिक को न केवल अपने अधिकार जानने चाहिए, बल्कि उसे अपने कर्तव्यों का भी निर्वहन ईमानदारी से करना चाहिए। उन्होंने अनुच्छेद 51 (क) का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्रत्येक नागरिक को देशहित में कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाएं मेघा, शिखा, अर्चना, आशा और शारदा भी मौजूद रहीं। कक्षा 7 और 8 के छात्र-छात्राओं ने पूरे मनोयोग से कार्यक्रम में भाग लिया और भारतीय न्याय प्रणाली को लेकर गहन रुचि दिखाई।

जोधपुर डिस्कॉम में तकनीकी अंकेक्षण शाखा की समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जोधपुर डिस्कॉम) मुख्यालय में प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल की अध्यक्षता में तकनीकी अंकेक्षण शाखा की कार्यप्रणाली एवं संरचना की गहन समीक्षा को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में तकनीकी अंकेक्षण की प्रभावशीलता, संगठनात्मक भूमिका और पूर्व में संपन्न कार्यों की विश्लेषणात्मक पड़ताल की गई। बैठक में निदेशक (वित्त/ तकनीकी), मुख्य लेखा नियंत्रक, मुख्य लेखाधिकारी (आंतरिक अंकेक्षण एवं लेखा), अधिशाषी अभियंता (आईए-टेक्निकल), लेखाधिकारी (आईए-मुख्यालय) सहित जोधपुर-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, पाली, सिरोही और बीकानेर के सहायक अभियंता (आईए-टेक्निकल) मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत में प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल ने वर्तमान कार्यप्रणाली की समीक्षा की।

विधान सभा अध्यक्ष से पुलिस महानिदेशक की मुलाकात

-विधान सभा और अजमेर की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर चर्चा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से बुधवार को विधान सभा में राजस्थान के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा ने शिष्टाचार मुलाकात की। पुलिस महानिदेशक शर्मा ने विधान सभा अध्यक्ष देवनानी का पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया। देवनानी ने इस नवीन दायित्व के लिए शर्मा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने पुलिस महानिदेशक से राजस्थान विधान सभा, विधायक आवास परिसर व कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान और अजमेर से संबंधित विभिन्न सुरक्षा व्यवस्थाओं पर चर्चा की। देवनानी से भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी राजीव कुमार शर्मा की राज्य के पुलिस महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण के पश्चात यह पहली शिष्टाचार भेंट थी।

आवश्यक नम्बर — रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड हाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

वाई जी एन कॉन्वेंट स्कूल में साइबर ठगी से जागरूकता के लिए कार्यशाला का आयोजन

-साइबर ठगो से अलर्ट रहे अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचे

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। वाई जी एन कॉन्वेंट स्कूल में साइबर क्राइम अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह प्रोग्राम कोटा शहर पुलिस एवं लायंस क्लब कोटा नॉर्थ चैरिटेबल सोसायटी के तत्वाधान में साइबर क्राइम अभियान के तहत इस कार्यशाला का आयोजन, वाई जी एन कॉन्वेंट स्कूल अनंतपुरा में किया गया। सोसायटी के अध्यक्ष वरुण रस्सेवट ने बताया कि साइबर एक्सपर्ट सुरेंद्र सिंह ने छात्र-छात्राओ को बताया कि साइबर ठगी से कैसे बच सकते हैं इसके बारे में छात्र-छात्राओं को एक्सपर्ट ने कहा कि मोबाइल फोन के माध्यम से कई प्रकार के कार्य करते हैं और इसी दौरान हम भ्रमित लिंक या ऐसे एडवर्टाइजमेंट में फंसकर साइबर

क्राइम का शिकार हो जाते हैं, इसके लिये यह आवश्यक है कि हम सतर्कता बरते और साथ ही अपने परिजनों सहित अन्य लोगों को भी इससे जागरूक करें। मनोवैज्ञानिक वरुण रस्सेवट ने ऑनलाइन गेम ऑनलाइन शॉपिंग आदि में विशेष सतर्कता बरतने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि हमें किसी भी लुभावने वाला प्रलोभन देने वाले किसी भी लिंक या किसी स्कीम पर ध्यान नहीं देना चाहिए । इस जागरूकता कार्यक्रम में लायंस क्लब कोटा नॉर्थ चैरिटेबल सोसायटी के सचिव नितिन भंडारी ने भी विद्यार्थियों को जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में वाई जी एन एजुकेशन ग्रुप के अध्यक्ष अरशद अंसारी ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए विद्यालय परिवार की ओर से धन्यवाद दिया ।

जल भराव की समस्याओं को लेकर यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में नगर परिषद को दिया ज्ञापन

-थाली बजाकर नारे लगाकर किया विरोध प्रदर्शन

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर के नागरिकों ने युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आसिफ खान के नेतृत्व में थाली बजाते और नारे लगाते हुए नगर परिषद चूरू में शहर में विभिन्न स्थानों पर हो रहे जल भराव को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष आसिफ खान ने बताया कि चूरू शहर के मुख्य स्थान जैसे राजकीय जिला अस्पताल,राजकीय लोहिया महाविद्यालय, नेत्र अस्पताल के सामने,इंद्रा कॉलोनी, तकिया ताजुशाह क्षेत्र,मोहल्ला सब्जिफरोश, वार्ड नं 38 व 41 की कब्रिस्तान व मुक्तिधाम के आगे,वार्ड नं 3 में भेरूजी मंदिर,

सैनिक बस्ती, कृषि उपज मंडी के पीछे,के इलाको में जल भराव एक बहुत बड़ी समस्या बन चुका है जिससे आमजन को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है।आज इन्ही समस्यों को लेकर नगर परिषद आयुक्त के पास थाली बजाते हुए ज्ञापन देकर जल्द से जल्द समाधान की मांग की है समाधान नही होने और उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान छात्रनेता अनीश खान,आमीन खान स्टेशन मास्टर रेलवे रि., शब्बीर खान एलमान, कमल सिंह,दिपेश शर्मा,चाँद खान,नवाब खान,राजेश चौधरी,अमन दाधीच,रफ़ीक़ डायर, ज़ुल्फ़िकार फौजी,जंगशेर खान,बाबूलाल मेघवाल,सुरेंद्र मेघवाल समेत सैंकड़ो नागरिक जन उपस्थित रहे।

दावते इस्लामी इंडिया ने किया वृक्षारोपण

शब्बीर हुसैन

माँगरोल,(रॉयल पत्रिका)। दावते इस्लामी इंडिया के डिपार्टमेंट GNRF (गरीब नवाज़ रिलीफ फाउंडेशन) के पौधा लगाओ वृक्ष बनाओ अभियान के तहत क़ब्रिस्तान परिसर मांगरोल में वृक्षारोपण किया गया। यह अभियान देश को हरा भरा रखने ओर वातावरण को स्वच्छ करने ओर देश की सुंदरता में वृद्धि के लिए जुलाई माह में पूरे भारत में जारी है, और लाखो की तादाद में वृक्ष लगाने का काम संस्था द्वारा किया जा रहा है पोधा लगाने के साथ संस्था के कार्यकर्ता देखरेख की ज़िम्मेदारी भी कर रहे है ओर ट्री गार्ड भी लगाए जा रहे है ताकि पोधा वृद्धि करे संस्था द्वारा नारा दिया गया है कि "पोधा लगाना है

वृक्ष बनाना है" GNRF के ज़िम्मेदार असगर भाई पार्षद व इमरान भाई ने बताया की संस्था द्वारा बल्ड डोनेशन कैम्प, पौधारोपण सहित कई सामाजिक कार्य किए जा रहे है ओर आगे भी सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया जाएगा। इस दौरान संस्था के ज़िम्मेदार असगर भाई ने बताया की पौधारोपण कार्यक्रम में ईदगाह सदर मुहम्मद अशफाक, नायब सदर डा. इकबाल, हाजी सलीम बीडी वाले, रमेश सेन पुलिस सब इंस्पेक्टर थाना माँगरोल अतिथि के रूप में मौजूद रहे। गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन के कई मेंबर्स और कई सामाजिक कार्यकर्ता मुख्य रूप से अ.खालिक अत्तारी, अफजल भाई, ताहिर हुसैन मास्टर मौजूद रहे। संस्था द्वारा सभी का शुक्रिया अदा किया गया।

सहकार एवं रोजगार उत्सव समारोह का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

-सहकार से समृद्धि के पथ पर कार्य कर रही है राजस्थान सरकार

प्रतापगढ़, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं की समृद्धि, खुशहाली एवं सहकारिता की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर सहकार एवं रोजगार उत्सव समारोह का राज्य स्तरीय कार्यक्रम जयपुर में गृह मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। इसी कड़ी में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, प्रतापगढ़ के ऑडिटोरियम में गुरुवार को जिला कलक्टर डॉ अंजलि राजोरिया के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह में जनप्रतिनिधि, जिला पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार बंसल, टीओ जितेन्द्र मीणा, एसीपी, डीओआईटी अभिषेक मीणा,

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक डॉ. टी.आर. आमेटा, डीएसओ रामचंद्र शेरावत सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह में नवचयनित कार्मिकों को संबोधित करते हुए ट्रेज़री ऑफिसर ने उन्हें शुभकामनाएं दी और सरकार के निर्देशानुसार कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने का संदेश दिया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक डॉ. आमेटा ने युवाओं को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के 40, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 18, सांख्यिकी विभाग के 3 तथा पीएचईडी विभाग के 1 नवनियुक्त कार्मिकों को वेलकम किट वितरित की गई। कार्यक्रम में नव नियुक्त कार्मिकों राजेश शर्मा, दुर्गेश कुमावत एवं लता मीणा सहित अन्य ने मंच से अपने अनुभव साझा किए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सुरेन्द्र सुमन द्वारा किया गया।

आपदा एवं राहत कार्यों की समीक्षा बैठक

पाली, (रॉयल पत्रिका। आपदा एवं राहत कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन जिला जिला कलेक्टर एल एन मंत्री की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुयी। बैठक में सभी संबंधित नियुक्त पर्यवेक्षको एवं अधिकारियों से वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने क्षेत्रवार नियुक्त अधिकारियों से क्षेत्रों के बारे में जानकारी ली। जिला कलक्टर ने यूआईटी नगर निगम एवं जल संसाधन विभाग को आवश्यक रूप से जल भराव वाले क्षेत्र से तुरंत जल निकासी के प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए साथ ही आवश्यकता अनुसार मड़पम, इलेक्ट्रिक पंप इत्यादि लगाकर प्रभावित क्षेत्र से जल निकासी तुरंत प्रभाव से सुनिश्चित करने के लिये कहा। जिला कलक्टर मंत्री ने दैनिक रूप से जल निकासी किए गए क्षेत्रों की अपडेट रिपोर्ट तैयार करने व प्रस्तुत करने के निर्द्रेश दिये।

परशुराम महादेव मेला 30 व 31 जुलाई से

-जिला कलेक्टर ने आवश्यक व्यवस्थाओं के लिये दिये निर्देश

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिले की देसूरी तहसील के सादड़ी क्षेत्र में अरावली पहाड़ की तलहटी में 30 व 31 जुलाई को इर वर्ष की भांति इस वर्ष भी परशुराम महादेव के मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला मजिस्ट्रेट एलएन मंत्री ने बताया कि इस मेले के आयोजन के दौरान समस्त प्रकार की आवश्यक व्यवस्था के लिए उपखण्ड मजिस्ट्रेट देसूरी को मेला अधिकारी एवं तहसीलदार देसूरी को सहायक मेला अधिकारी नियुक्त किया गया है। हाल में ही उपखंड मजिस्ट्रेट देसूरी की अध्यक्षता में परशुराम महादेव मेले के आयोजन के संबंध में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं मेला आयोजक ट्रस्टीगणों के साथ आयोजित बैठक में मेला आयोजन के संबंध में लिये गये निर्णयों की पालना, मेला अधिकारी सुनिश्चित करने एवं संबद्ध विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मेला स्थल पर मेला अवधि में तैनात करेंगे। उन्होंने बताया कि मेला आयोजन के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस अधीक्षक आवश्यक पुलिस जाब्ता तैनात कर व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। वन विभाग मेला क्षेत्र में वर्तमान वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए लटकती हुई चट्टानों के कारण संभावित हादसे को दृष्टिगत रखते हुए तत्काल दुरुस्त करवाने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी मेला अवधि के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबन्ध के साथ ही एक क्रेन की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मेला अवधि में चिकित्सकों के दल मय एम्बुलेंस व आवश्यक जीवन रक्षक दवाईयों के साथ मेला स्थल पर तैनाती करेगें। मुख्य आगार प्रबन्धक राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम पाली एवं फालना मेले के दौरान यात्रियों के आवागमन के लिए प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रोडवेज की आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बसे लगाने की व्यवस्था करेंगे। सार्वजनिक निर्माण विभाग इस क्षेत्र की सड़क मरम्मत की आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने मेला अवधि के दौरान जलदाय विभाग एवं जोधपुर विद्त वितरण निगम लि. अपने विभाग से सम्बन्धित आवश्यक कार्यवाही के लिए अपेक्षित कर्मचारी/अधिकारी की ड्यूटी लगाकर व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। विकास अधिकारी, पंचायत समिति देसूरी मेला आयोजन के दौरान मौके पर अपने विभाग के कर्मचारियों के साथ उपस्थित रहकर आवश्यक व्यवस्थाओं में उपखण्ड मजिस्ट्रेट, देसूरी का सहयोग करेंगे। अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सादड़ी इस सम्पूर्ण मेला आयोजन के दौरान सफाई व्यवस्था, पानी, बिजली एवं अपने विभाग से सम्बन्धित आवश्यक व्यवस्था के लिए कर्मचारियों की तैनाती करते हुए स्वयं मेला स्थल पर इस अवधि में उपस्थित रहेंगे, अग्निशमन वाहन की तैनाती सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने निर्देश दिये कि मेले के दौरान क्षेत्र में होने वाली अस्थाई व्यवस्थाओं के लिये सभी संबंधित विभाग समन्वय से कार्य करेंगे। मेले में शांति एवं कानून व्यवस्था के लिये नियुक्त कार्यपालक मजिस्ट्रेटगण क्षेत्र के समस्त सम्बद्ध विभागों के अधिकारियों से समन्वय बनाये रखते हुये कार्य करेंगे। उन्होंने इसमें कोताही बरतने वालों अधिकारियों के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

ब्राह्मण महासंघ में वंदना शर्मा महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मनोनीत

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष वेदप्रकाश उपाध्याय के निर्देशानुसार प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ मनीष शर्मा ,प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ संगीता बोहरा की सहमति से प्रदेश संगठन महामंत्री शांतनु पाराशर ने सवाई माधोपुर की वंदना शर्मा को महिला प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। नवनियुक्त महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष का ब्राह्मण महासंघ के स्थानीय पदाधिकारियों ने नियुक्ति पत्र देकर संगठन का दुप्पटा पहनाकर अभिनंदन किया और आगामी कार्यक्रमों और संगठन के विस्तार पर चर्चा की। इस अवसर पर रिटायर्ड वरिष्ठ लेखाधिकारी प्रभाकर शर्मा, ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ मनीष शर्मा, युवा प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष आकाश भारद्वाज, जिला महामंत्री गजेन्द्र भारद्वाज, जिला उपाध्यक्ष रमाकांत शर्मा, युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मुरली गौतम, जिला महामंत्री रजत भारद्वाज उपस्थित रहे ।

सहकार एवं रोजगार उत्सव जिला स्तरीय समारोह: 210 युवाओं को मिले नियुक्ति पत्र

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर सहकार एवं रोजगार उत्सव का राज्य स्तरीय समारोह जयपुर में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य तथा माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में गुरुवार को आयोजित हुआ। इस दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री और मुख्यमंत्री ने अन्न भंडारण योजना के तहत निर्मित 24 गोदामों तथा अन्न के प्रोत्साहन के लिए संचालित 64 मिलेट्स का लोकार्पण किया। उन्होंने गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 1400 लाभार्थियों को 12 करोड़ ऋण तथा दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों को 2 हजार 346 माइक्रो एटीएम का वितरण किया। श्वेत क्रांति 2.0 पीडीसीएस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की लांचित की तथा थानों, सशस्त्र बलों, ट्रूप कैरिअर तथा प्रशिक्षण के लिए 100 नए पुलिस वाहनों को फ्लेग ऑफ कर रवाना किया। इस दौरान 8 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र प्रदान किए। श्रीगंगानगर में समारोह का सीधा प्रसारण भामाशाह सेठ सुशील कुमार बिहाणी ऑडिटोरियम में किया गया। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस दौरान जिले के 210 नव चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में गंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी, जिला प्रमुख कविता, जिला कलक्टर डॉ. मंजू, एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार, एडीएम सतर्कता रीना, एसडीएम गंगानगर रणजीत कुमार, एसीएम स्वाति गुप्ता, विकास गर्ग, रतनलाल गणेशगढ़िया, शिव स्वामी, डॉ. बृजमोहन सहारण, क्रांति चुघ, जसकरण सिंह, दुष्यंत जैन, कपिल सेतिया, नव चयनित युवा एवं उनके परिजन मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन उद्यान विभाग की उपनिदेशक प्रीति गर्ग और श्री मनीष चलाना ने किया। नियुक्ति पत्र पाने के बाद युवाओं के चेहरे पर चमक देखने को मिली। सभी ने प्रतियोगी परीक्षाओं के पारदर्शी आयोजन के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। युवाओं ने पारदर्शी परीक्षा सम्पन्न करवाने और जल्द परिणाम जारी करने पर माननीय मुख्यमंत्री को साधुवाद दिया और कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर आयोजित रोजगार उत्सव उसके जीवन का यादगार क्षण बन गया है।

अल्पसंख्यक वर्ग का मिलेगी राहत, बकाया ऋण के ब्याज में मिल सकेगी छूट

-ऋण चुकाने के लिए सरकार की एकमुश्त योजना

जालोर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री बजट घोषणा के तहत अल्पसंख्यक वर्ग के हित में एक मुश्त समाधान योजना 2025 लागू की गई है जिससे अल्पसंख्यक वर्ग को बकाया ऋण के ब्याज में राहत मिलेगी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एजाज अहमद ने बताया कि इस योजना के तहत राजस्थान अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड द्वारा अल्पसंख्यक वर्ग को दिए गए ऋण के लिए यह योजना लागू की गई है। अल्पसंख्यक वर्ग को दिए गए व्यावसायिक ,शिक्षा एवं माइक्रो ऋण की बकाया राशि को एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज एवं दण्डनीय ब्याज में छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना को दो चरणों में लागू होगी। प्रथम चरण 30 सितम्बर 2025 तक होगा, जिसमें ऋणी द्वारा बकाया राशि जमा कराने पर ब्याज एवं दण्डनीय ब्याज पूरा माफ किया जाएगा। ऋणी को केवल बकाया मूलधन ही जमा करवाना होगा। द्वितीय चरण में 1 अक्टूबर से 31 दिसम्बर 2025 तक केवल दण्डनीय ब्याज माफ किया जाएगा। ऋणी को मूलधन के साथ-साथ ब्याज भी जमा करवाना होगा। इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ लेने के लिए नर्मदा कॉलोनी जालोर स्थित अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय जालोर से सम्पर्क कर आवेदन करना होगा।

महात्मा गांधी नरेगा श्रमिकों के कार्य समय में परिवर्तन

-अब कार्य अवधि सुबह 9 से शाम 5 बजे तक, 1 घंटे का विश्राम शामिल

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। आयुक्त ईजीएस, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, जयपुर के निर्देशानुसार महात्मा गांधी नरेगा अधिनियम 2005 की अनुसूची-1 के पैरा 19 के तहत श्रमिकों के लिए कार्य की अवधि 8 घंटे (1 घंटे के विश्राम काल सहित) निर्धारित की गई है। अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, महात्मा गांधी नरेगा, जोधपुर श्री आशीष कुमार मिश्रा ने जानकारी दी कि वर्तमान मौसमी परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए जोधपुर जिले में नरेगा कार्यों की समय-सारणी में परिवर्तन किया गया है। अब श्रमिकों का कार्य समय 16 जुलाई से प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक रहेगा, जिसमें 1 घंटे का विश्राम काल सम्मिलित होगा।

हजरत ताजुशाह तकिया प्रांगण में कमेटी द्वारा लगाए पेड़ पौधे

-दिया हरियाला राजस्थान का संदेश

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित हजरत ताजुशाह तकिया दरगाह प्रांगण में कमेटी द्वारा पेड़ पौधे लगाए गए हरियालो राजस्थान के तहत आमीन खान रिटायर्ड स्टेशन अधीक्षक रेलवे ने बताया कि हमारा पेड़ पौधे लगाने का अभियान हफ्ते भर का रहेगा जिसमें हम ताजू शाह तकिया में सैकड़ो पेड़ पौधे लगाकर उनकी जिम्मेदारी के साथ-साथ देखभाल करेंगे। पौधा रोपण कर पर्यावरण का संदेश दिया और कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरण को संतुलित रखने में सहायक है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ भविष्य की निव हैं। हसमत खान ने कहा की हरियाली है तो जीवन है हरियाली ही पर्यावरण में सहायक है। हर इंसान को अपनी जिंदगी में पेड़ पौधे लगाने चाहिए। कमेटी के सदर मुस्ताक खान ,हाजी भंवरु खान दौलतखानी, बाबू खान, आवेश खान ,जावेद खान ,सिकंदर खान ,मोहम्मद सोहेल, सुरेंद्र, तौसीफ खान, मोहम्मद असलम खान, आदि ने पेड़ पौधे लगाए तकिया ताजुशाह मस्जिद के इमाम मौलाना मकसूद आलम ने पेड़ पौधे लगाए और दुआएं की।

राजकीय विधि महाविद्यालय की छात्रा डिम्पल राजपुरोहित को निबंध प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान

पाली, (रॉयल पत्रिका)। संविधान दिवस के उपलक्ष में डॉ. भीमराव अम्बेडकर फाउन्डेशन (अम्बेडकर पीठ) जयपुर तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकरिता विभाग की ओर से वर्तमान परिदृश्य में अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता विषय पर आयोजित जिला एवं राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में राजकीय विधि महाविद्यालय, माली की छात्रा डिम्पल राजपुरोहित ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। डिम्पल राजपुरोहित ने इस प्रतियोगिता में जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर स्थानीय महाविद्यालय का नाम रोशन किया। राजकीय विधि महाविद्यालय पाली के प्राचार्य प्रो (डॉ.) तपन पुरोहित ने विजित छात्रा को बधाई दी। छात्रा के बेहतर प्रदर्शन करने पर महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. नमीचन्द, कीर्तिपाल सिंह काबावत, डॉ. भगवान दास, सुश्री स्वेच्छा यादव, कुशल परिहार, भरत सिह इन्दा, भैरूलाल, प्रमोद ने छात्रा को बधाई दी। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी राजकीय विधि महाविद्यालय की छात्रा मंजू बागराना ने भी इस प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था।

दाऊद थीम बने चूरू शहर राशन डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला अधिकृत राशन विक्रेता नियोजक संघ एवं राजस्थान राज्य अधिकृत राशन विक्रेता जिला कार्यकारिणी की बैठक सुभाष चौक चूरू में संपन्न हुई जिसमें शहर के राशन डीलर एसोसिएशन ने सर्व सहमति से राशन डीलर वार्ड नंबर 20 दाउद थीम को शहर अध्यक्ष घोषित किया यह घोषणा जिला अध्यक्ष सरवर खान की अध्यक्षता में हुई। जिसकी सूचना प्रदेशाध्यक्ष सरताज अहमद-एडवोकेट के आदेशानुसार चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश कुमार सारस्वत, जिला अध्यक्ष सरवर खान, दिनेश शर्मा ,कासम खान चौहान, ओम प्रकाश मोटेका ,लीलू खां, दयाल सिंह ,राजेश सोनी , सुमेर सिंह ,सलीम खान दिलावरखानी, मोहसिन अली ,अली हसन ,आदि उपस्थित रहे। आपको अध्यक्ष बनने पर सभी ने फूल मालाओं से स्वागत किया और हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। दाऊद थीम ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में किया पौधारोपण

-एक पेड़ अवश्य लगाएं अब्बास खान राणा

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र के प्रमुख शिक्षण संस्थान इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में मुस्लिम राजपूत महासभा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष अब्बास खान मोयल राणा व संस्थान निदेशक अख्तर खान रूकनखानी के नेतृत्व में विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधे लगाए इस मौके पर अब्बास खान मोयल राणा ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पेड़ हवा से हानिकारक प्रदुषको को हटाते हैं और हमारे प्राकृतिक वायु फिल्टर के रूप में कार्य करते हैं। अगर पर्यावरण को शुद्ध रखना है तो हमें पेड़ पौधे लगाने चाहिए। वही संस्थान निदेशक अख्तर खान रूकनखानी ने कहा कि पेड़ों को सही मायने में धरती के फेफड़े कहा जाता है। पेड़ों के बिना धरती पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा पेड़ कई तरह से पर्यावरण को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं। इस मौके पर विधालय प्रधानाध्यापिका सबीना बानो ,शिक्षा अनुदेशक असलम खान शिक्षा अनुदेशिका अल्लादेई ,शिक्षा अनुदेशक जान मोहम्मद व विधार्थी उपस्थित रहे। पौधा रोपण कर हरियाला राजस्थान का दिया संदेश।

मिल्लत अकैडमी का किया निरीक्षण

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मिल्लत एकेडमी के प्रवेश उत्सव पर मुख्य अतिथि बतौर समाजसेवी अलाउद्दीन खान व संजय खान घाघु आल मुस्लिम सेवा संस्थान जिलाध्यक्ष, अहमद भाई, ने शिरकत की और स्कूल का निरीक्षण किया और बच्चों को इनामात वितरित किए। स्कूल स्टाफ द्वारा आपका फुल मालाओं से स्वागत किया गया। जिसमें मुस्ताक खान, इदरीश खान, अब्बास भाई, अनवर भाई, हारून भाई, युसूफ भाई, आदि उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आपदा प्रबंधन, अतिवृष्टी, जल निकासी, रोड एवं बजट के सम्बन्ध में ली बैठक

-बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में गति लाने के दिए निर्देश

अजमेर,(रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अजमेर और ब्यावर जिला प्रशासन को निर्देश दिए है कि बारिश और अतिवृष्टि से बचाव के संपूर्ण उपाय रखें। जिल इलाकों में बारिश का पानी जमा है, वहां प्राथमिकता के आधार पर पानी निकाल कर लोगों को राहत दें। जिन क्षेत्रों में जलभराव की आशंका है, वहां समय पूर्व इंतजाम रखें। बजट घोषणाओं पर तुरंत काम शुरू हो। राज्य स्तर से समन्वय कर कामकाज में गति लाई जाए। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी बुधवार को जिले के दौरे पर रहीं। उन्होंने अजमेर एवं ब्यावर जिलों के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित कर आपदा प्रबंधन, अतिवृष्टि, जल निकासी, सड़क निर्माण तथा बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में पूर्व में जलभराव की समस्या रही है वहां आवश्यक सुधारात्मक उपाय किए जाएं। सागर विहार सहित अन्य इलाकों में पंपिंग सिस्टम लगाकर पानी की निकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेलवे अंडरब्रिज में भी पंपिंग व्यवस्था की जाए । इससे जलभराव की स्थिति से

निपटा जा सकेगा। अतिवृष्टि की स्थिति में जल स्रोतों की दीवारों की सुरक्षा के लिए सतत निगरानी तंत्र को सक्रिय बनाए रखने के निर्देश दिए। एलिवेटेड रोड की क्षतिग्रस्त भुजा के संबंध में प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के पश्चात एमएनआईटी टीम द्वारा विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है। उन्होंने ग्रेडिंग कार्य आदि तकनीकी पहलुओं की गहनता से समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि एलिवेटेड रोड की क्षतिग्रस्त भुजा की मरम्मत उच्च गुणवत्ता के साथ की जाए और निर्माण कार्य ठोस एवं विश्वसनीय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अन्य सड़को की भी समीक्षा की जाए तथा नव निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। इससे नागरिकों के लिए सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग को मानसून के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत एवं निर्माण कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही आरएसआरडीसी को पूर्व चिन्हित स्थलों पर मरम्मत कार्य की समीक्षा कर जल निकासी के लिए लेवल निर्धारण की पुनः समीक्षा करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नालों की समय पर सफाई करने तथा बांधों के निकटवर्ती आबादी वाले क्षेत्रों में आपात स्थिति में तत्काल निकासी की योजना तैयार रखने के निर्देश दिए। बांधों की मरम्मत का कार्य नियमित रूप से चलता रहे तथा डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों के लिए कंटिंजेंसी प्लान तैयार रहे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वर्षा ऋतु में संभावित मौसमी बीमारियों को ध्यान में रखते हुए घर-घर सर्वे, एंटी लार्वा गतिविधियाँ, फॉगिंग और एमएलओ दवा छिड़काव की नियमितता सुनिश्चित की जाए।

प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की नव गठित कमेटी की

-84वें उर्स की तैयारिया हेतु बैठक सम्पन्न

कपासन,(रॉयल पत्रिका)। दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास मंसूरी अशरफी के अनुसार राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ जयपुर द्वारा गठित कमेटी मे पदाधिकारियो के नाम अनवर अहमद छीपा सदर, मोहम्मद यासीन खाँ अशरफी एवं मुबारिक हुसैन शैख नायब सदर, मोहम्मद अब्बास मंसूरी सचिव, अब्दुल वाहिद अंसारी खजांची एवं सैयद ऐजाज अली, महबूब शाह, शराफत हुसैन भाटी, मंसूर अहमद ओठवाल, शब्बीर हुसैन पुंवार, अब्दुल रहमान मंसूरी, सैयद अख्तर अली बुखारी, अब्दुल शकूर अंसारी, जेनुलहसन अंसारी, मोहम्द असलम शैख, मोहम्मद शरीफ मेवाती, जाकीर हुसैन अंसारी, अशफाक तुर्किया, नदीम हुसैन शैख, वहीद अशरफी, इकबाल रंगरेज, अकरम मंसूरी, मोहम्मद अकरम छीपा, इरफान सिलावट सदस्य नियुक्त किए। नव नियुक्त कमेटी की 84वें उर्स की तैयारियों को लेकर सदर अनवर अहमद छीपा की सदारत

मे मीटींग हॉल मे बैठक की शुरूआत तिलावते कलामे पाक से हुवीं। 25 मोहरर्म 21 जुलाई 2025 सोमवार को बाद नमाजे असर के अलम पेश करने की रस्म अदा की जाएगी। 6 सफर से 8 सफर (1 अगस्त से 3 अगस्त 2025) तक 84वां उर्स हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाएगा। सभी सदस्यो ने अपनी-अपनी बात रखी सर्वसम्मती से प्रस्ताव पास कर सभी सदस्यो ने कहा की बाबा हुजूर का उर्स परम्परानुसार मनाया जाए व जायरीने दीवाना व मेहमानाने दीवाना को किसी तरह की कोई तकलीफ ना हों।

सोमवार प्रातः दरगाह शरीफ के सभी गल्ले तहसीलदार नासिर बेग मिर्जा, राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ जयपुर के प्रतिनिधी मौसिन गौड़, फैजान खाँ एवं कमेटी सदस्यो की उपस्थिति मे खोले गये। गणमान्य नागरिको एवं बैंक कार्मिको ने रकम की गणना की। गल्ला शरीफ व देग से कुल 43,18,345 रूपये अक्षरे तियालीस लाख अठ्ठारह हजार तीन सो पेतालीस रूपये प्राप्त हुए जिन्हे बेंक मे जमा करा दिए। बाबा हुजूर के शेदाई पाली के कचहरी वाले बाबा के गद्दी नशीन हुसैन छीपा व उनकी पुरी टीम की तरफ से नव गठीत वक्फ कमेटी के पदाधीकारीयो व सदस्यो को माला पहनाकर दस्तारबंदी की।

झुंझुनू में शुरू हुआ किआन शिशु पालना गृह

-अब कामकाजी महिलाएं होगी चिंता मुक्त

झुंझुनूं, 16 जुलाई। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा कामकाजी महिलाओं के लिए शिशु पालना घर की शुरुआत की गई है। यह घर जिला मुख्यालय के महिला अधिकारिता विभाग के कार्यालय में प्रारंभ किया गया है जिसका शुभारंभ बुधवार को जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने फीता काटकर किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमंत कुमार, नगर परिषद आयुक्त दिलीप पूनिया भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला कलेक्टर डॉ. गर्ग ने सरकारी सेवा में कार्यरत महिलाओं से अपील की है कि वह अपने 2 साल से 6 वर्ष तक के बच्चों को अपने कार्यालय समय पर यहां छोड़कर जाएं ताकि वह अपने कार्य को बिना किसी चिंता के आराम से पूर्ण कर सके। उन्होंने विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्योला को इस कार्य के लिए साधुवाद देते हुए कहा कि सभी महिलाओं को एक शानदार उपहार दिया है जिससे वह अपने कार्य में और अधिक सुगमता और सरलता ला सकेंगे क्योंकि उनके बच्चों की पूर्ण जिम्मेदारी अब महिला अधिकारिता विभाग ने ले ली है। कार्यक्रम के दौरान एटीओ प्रेरणा कालेर एवं प्रियंका लांबा, अल्पसंख्यक अधिकारी नेहा झाझडिया पूनिया, जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, आईसीडीएस के उपनिदेशक विजेंद्र सिंह राठौड़, मंजू मिल ,गोविंद, मनोज स्वामी ,पूजा कसवा, रेखा , उषा कुल्हरी अनीता व समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी महिला पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्यौला ने बताया कि जो महिलाएं नौकरी कर रहे हैं वह अपने वर्किंग टाइम में बच्चों को यहां छोड़ सकते हैं जिससे उनकी देखरेख की हो सके।

बेटियों को सुरक्षित वातावरण में विकास के मिलें भरपूर अवसर

-एडीएम दिवांशु बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जिला समिति की बैठक हुई सम्पन्न

बारां, 16 जुलाई। महिला अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में जिला महिला समाधान समिति एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की समीक्षा बैठक अतिरिक्त जिला कलक्टर दिवांशु शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में एडीएम शर्मा ने जिले में ग्राम पंचायत स्तर से जिला स्तर तक बेटियों का सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर गंभीर मंथन किया। बैठक में महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक सतीश परिहार ने महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों की प्रगति रिपोर्ट के साथ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का एक्शन प्लान, बाल विवाह, घरेलू हिंसा रोकथाम, लैगिंक उत्पीड़न से संबंधित विभागीय कार्यो को विस्तार से बैठक में रखा। बैठक में एडीएम दिवांशु शर्मा ने कहा कि महिला सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षित वातावरण को पहली प्राथमिकता देते हुए महिलाओं के उन्नयन के

लिए कार्य किए जाने चाहिए। उन्होंने महिला बाल विकास, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारियों को महिलाओं एवं बेटियों के सशक्तिकरण के लिए धरातल पर जाकर कार्य करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि गर्लफ्रेण्डली ग्राम पंचायत माथना और जैपला में विभिन्न नवाचार कर इन्हें रोल मॉडल की तरह प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को ग्राम स्तर से जिला स्तर तक समय-समय पर विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से महिलाओं को सशक्त करने एवं उन्हें विभिन्न विषयों में शिक्षित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैठकों का उद्देश्य तभी पूरा हो सकता है जब धरातल पर कोई उदाहरण सामने आए, जिसमें महिलाओं और बेटियों के शैक्षणिक एवं सामाजिक स्तर को विकसित करने की प्रेरणा छुपी हो। बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहायक निदेशक शुभम नागर, डीईओ सीताराम गोयल, सहायक निदेशक जनसम्पर्क योगेन्द्र शर्मा सहित जिला महिला समाधान समिति की सदस्यगण एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जिला टास्क के सदस्यगण उपस्थित रहे।

विद्यार्थीयो को दी व्यकितगत स्वच्छता की जानकारी

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। डूंगरपुर शहर में नई जलापूर्ति व सीवरेज प्रणाली का कार्य कर रही राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी) की सामुदायिक जागरूकता एंव जन सहभागिता इकाई ने जागरूकता कार्यक्रम के तहत आज 16 जुलाई 2025 को शहर के गौरी शंकर उपाध्याय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नई बस्ती डूंगरपुर मे विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम के तहत व्यकितगत स्वच्छता (हॅंडवॉशिग) का आयोजन किया गया। जिसके अर्न्तगत आरयूआईडीपी कैप इकाई के सामाजिक विकास विशेषज्ञ सुजीत शरण ने बताया कि हाथ धोना जीवन के अच्छे आदतो मे एक हैं उन्होने छात्र छात्राओ के साथ व्यक्तिगत स्वच्छता की जानकारी दी तथा बताया कि हाथ धोना जीवन की स्वस्थ्य और अच्छी आदतो मे एक हैं। बच्चो को बीमारियो से सुरक्षित रखने का सबसे सस्ता और आसान तरीका, हाथों को अच्छे से धोना है। हाथो को कम से कम 20- 30 सेकेन्ड तक धोना चाहिए। उन्होने हाथ धोने के सात बिन्दओ पर विस्तृत चर्चा की तथा उसे अपने जीवन मे शुमार करने के लिए प्रेरित किया, तथा कहा कि इससे हम कुछ बीमारियो से बच सकते हैं। सहायक सामाजिक विकास विशेषज्ञ माया पाटीदार ने परियोजना कार्य से होने वाले लाभो के बारे में जानकारी दी तथा कार्य स्थल पर सुरक्षा निर्देश की पालना करने की अपील की। स्कूल की प्रधानाचार्य कला गमेती (कार्यवाहक) ने भी व्यक्तिगत स्वच्छता पर चर्चा की तथा सभी को इसे अपने जीवन मे अमल करने के लिए प्रेरित किया। आज के इस कार्यक्रम में मोनिका, निलम सेवक, माया कटारा हेमन्त पाटिदार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे सोशल आउटरीच टीम की अनम आरा तथा युवराज पाटीदार ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में लगभग 220 विद्यार्थीयो ने भाग लिया।

ज़िला प्रशासन द्वारा पाली शहर में जल निकासी के लिए त्वरित कार्यवाही

-आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन के निर्देशन में पाली शहर में हुई भारी वर्षा के बाद जल निकासी के लिए जिला प्रशासन तीव्र गति से काम कर रहा है और जल्द जल निकासी के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है । जिला कलेक्टर एलएन मंन्त्री सभी कामो की स्वयं नियमित रूप से जानकारी ले रहे है और जल निकासी के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए जा रहे है। 12 व अन्य स्थानों पर मड पंप लगाए। तेजी से जल निकासी की कार्रवाई की जा रही । जिला कलेक्टर मंत्री ने इसके लिए संबंधित विभागों को निर्देश भी दिए है। इसमें नगर निगम पाली एवं नगर विकास न्यास (UIT) द्वारा शहर में जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु त्वरित कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में शहर के विभिन्न 12 स्थानों पर रजत विहार, कालू कॉलोनी, बंजारा नगर, केशव नगर, शिवाजी नगर, सरदार समन्द रोड, हाउसिंग बोर्ड बलिया स्कूल सीरवी संदेश रजत विहार इत्यादि स्थानों पर मड पंप (Mud Pump) की तैनाती की गई है, जिससे जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत मिल सके।साथ ही ड्रेन के माध्यम से भी जल निकासी की जा रही है । विभिन वर्षा जल अवरोधों को मानवीय व मशीनी संशोधनों के माध्यम से हटाया जा रहा है ताकि सुगम जल निकासी हो सके। साथ ही खाली भूखंड धारकों से अपील की जाती है कि वे अपने-अपने भूखंडों से वर्षा जल की निकासी स्वयं सुनिश्चित करें। अन्यथा, नगर निगम एवं यूआईटी द्वारा संबंधित भूखंड स्वामियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सड़को की मरमत कार्य प्रारंभ

जिला कलेक्टर ने बताया कि साथ ही, वर्षा से प्रभावित सड़कों पर त्वरित मरम्मत कार्य आरंभ कर दिया गया है। प्राथमिक स्तर पर गड्ढों को भरने एवं सड़क की सतह को समतल करने का कार्य जारी है, ताकि यातायात सुगम बना रहे। ज़िला प्रशासन आमजन से सहयोग की अपेक्षा करता है एवं यह विश्वास दिलाता है कि नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा। आपदा राहत एवम बाढ़ बचाव कार्यो की समीक्षा बैठक जिला कलेक्टर एल एन मन्त्री की अध्यक्षता में 3 बजे जिला कलेक्टर कार्यलय में आयोजित की जाएगी जिसमें सभी सम्बन्धित विभाग मौजूद रहेंगे।

जयपुर जिला देहात यादव महासभा जिला के अध्यक्षता में 20 जुलाई को होने वाले कार्यक्रम की

-व्यवस्थाओं को लेकर जिम्मेदारी सौंपी गई

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के स्थित दौलत शाह बाबा के पास कृष्ण महिला छात्रावास चौमूं परिसर में बुधवार को जयपुर जिला देहांत यादव महासभा के जिला अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद खातोंदिया की अध्यक्षता में 20 जुलाई रविवार को जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह व कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसमें 20 तारीख को होने वाले समारोह व्यवस्थाओं के बारे में चर्चा हुई। जिसमें अशोक कुमार को टेंट व्यवस्था, भोजन की व्यवस्था बाबूलाल, बनवारी लाल धिनोई, रसोई व्यवस्था बंशीधर मंडल, पेयजल की व्यवस्था बाबूलाल जडवाल, राकेश यादव, लालचंद सहितो को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंप गई। कार्यक्रम में डॉक्टर यादव ने बताया कि सब अपने जिम्मेदारी समय पर देख-रेख पूरी व्यवस्था 20 तारीख रविवार को 10:00 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना है। इस कार्यक्रम में बंशीधर मंडल, भीम सिंह ठोठवाल , चीप गार्डन नारायण सिंह जी यादव, रामनारायण यादव, पूर्व सरपंच बाबूलाल यादव, रामस्वरूप डागर, मालीराम खातोदिया, रिं. मैनेजर मालीराम यादव , मण्डा-भिण्डा से रामकरण यादव सहित समाज के लोग उपस्थित रहे।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री एवं मुख्यमंत्री लाभार्थियों से करेंगे वर्चुअल संवाद

-जिला स्तरीय सहकार एवं रोजगार उत्सव कार्यक्रम

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। सहकार एवं रोजगार उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम गुरुवार प्रातः 10:30 बजे इंदिरा प्रियदर्शिनी ऑडिटोरियम, चित्तौड़गढ़ में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न सहकारी योजनाओं एवं स्वरोजगार से जुड़े लाभार्थियों को प्रेरित करना एवं उनकी सफलता साझा करना है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन मंत्री गौतम दक जयपुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लाभार्थियों से संवाद करेंगे। वे राजस्थान के विभिन्न जिलों के लाभार्थियों से बातचीत कर सहकारी प्रयासों की सराहना करेंगे। राज्य स्तरीय समारोह में भाग लेने के लिए चयनित लाभार्थी आज सायंकाल जयपुर के लिए रवाना होंगे। इस संबंध में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रभा गौतम ने बुधवार को वीडियो

कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपखंड अधिकारियों के साथ बैठक कर समारोह से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने लाभार्थियों के आवागमन, ठहराव एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत निर्देश दिए। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय पाठक, अतिरिक्त जिला कलक्टर रामचंद्र खटीक, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश पुरोहित सहित जिला स्तरीय अधिकारी, एवं सभी उपखंड अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे पूरे उत्साह के साथ इस महत्वपूर्ण आयोजन में भाग लें।

भादरा के राजकीय अस्पताल में डायलिसिस सेवा का शुभारंभ, गंभीर रोगियों को मिलेगी राहत

-मुख्यमंत्री शर्मा की पहल पर 30 लाख की लागत से शुरु हुई नि:शुल्क सुविधा

हनुमानगढ़/भादरा, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर भादरा के राजकीय उपजिला चिकित्सालय में बुधवार को दो डायलिसिस मशीनों का शुभारंभ विधायक संजीव बेनीवाल ने किया। इन मशीनों की लागत लगभग 30 लाख रुपए है। क्षेत्र में पहली बार सरकारी अस्पताल में डायलिसिस की सुविधा शुरू होने से गुर्दा रोगियों को बड़ी राहत मिली है। अब भादरा, सादुलपुर, साहवा सहित आसपास के सैकड़ों मरीजों को निजी अस्पतालों में महंगी डायलिसिस करवाने से छुटकारा मिलेगा। नर्सिंग ऑफिसर मुकेश कुमार ने बताया कि अस्पताल में प्रतिदिन छह मरीजों की डायलिसिस की जाएगी, जिसमें प्रति मरीज लगभग दो से ढाई घंटे का समय लगेगा। उन्होंने बताया कि अस्पताल में दो प्रशिक्षित टेक्नीशियन नियुक्त किए गए हैं, वहीं चिकित्सक डॉ. रजनीकांत

को डायलिसिस विभाग का प्रभारी बनाया गया है। यह सुविधा केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। सात वर्षों से डायलिसिस पर निर्भर भादरा निवासी विकास के पिता महेंद्र कुमार ने बताया कि पहले उन्हें निजी अस्पताल में प्रति डायलिसिस 2,500 से 3,000 रुपए खर्च करने पड़ते थे। अब राजकीय अस्पताल में मुफ्त सेवा मिलने से आर्थिक बोझ से राहत मिली है। इसी तरह अनेक रोगियों और उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया। राजकीय चिकित्सालय के प्रभारी अधिकारी डॉ. संदीप पुनिया ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा भेजी गई मशीनों से भादरा क्षेत्र में गंभीर गुर्दा रोगियों को जीवन रक्षक सुविधा सुलभ हो सकेगी। उन्होंने बताया कि निजी अस्पतालों की तुलना में सरकारी अस्पताल में मरीजों को समय पर, सुरक्षित और मुफ्त उपचार मिलेगा। शुभारंभ अवसर पर एसडीएम कल्पित श्योराण, बीसीएमओ डॉ. लक्ष्य चौधरी, पार्षद हरिप्रकाश शर्मा, पार्षद दयानंद खोखेवाला, जनप्रतिनिधि और अस्पताल स्टाफ उपस्थित रहे।

स्वयं सहायता समूहों को सौंपा गया स्वच्छता कार्य

-चित्तौड़गढ़ जिले में शुरु हुआ पायलट प्रोजेक्ट

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय पाठक के निर्देशन में बुधवार को बेगूं ब्लॉक में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत राजीविका महिला स्वयं सहायता समूहों को ग्राम पंचायत स्तर पर स्वच्छता कार्य सौंपने की ऐतिहासिक पहल शुरू की गई। इस पायलट प्रोजेक्ट के पहले चरण में ग्राम पंचायत मोतीपुरा, पारसोली, बिछोर, खेड़ी, मेघपुरा एवं समरिया को चयनित किया गया है। इन पंचायतों में स्वच्छता कार्यों के लिए राजीविका स्वयं सहायता समूहों के साथ विधिवत अनुबंध किया गया। यह राजस्थान में अपने तरह का पहला नवाचार है, जिसमें महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ

ग्राम पंचायतों को स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। बुधवार को मोतीपुरा, पारसोली, बिछोर और खेड़ी ग्राम पंचायतों में राजीविका समूह की महिलाओं द्वारा सफाई कार्य प्रारंभ कर दिया गया। सफाई कार्यों की निगरानी के लिए जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. रमेश चंद्र धाकड़, विकास अधिकारी सुरेश चंद्र गोस्वामी एवं ब्लॉक परियोजना प्रबंधक गजेन्द्र कुमार वर्मा मौके पर उपस्थित रहे। संबंधित ग्राम पंचायतों में किए गए सफाई कार्यों का फोटोग्राफिक दस्तावेज तैयार कर जिला कार्यालय को प्रेषित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य न केवल गांवों को स्वच्छ बनाना है, बल्कि महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी है। जन सामान्य एवं ग्राम पंचायतों से अपील की जाती है।

जिला अस्पताल ने कायाकल्प पुरस्कार में रचा इतिहास, राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया

-स्वच्छता एवं संक्रमण नियंत्रण के उत्कृष्ट मानकों के लिए मिला 50 लाख रुपए का पुरस्कार

हनुमानगढ़, 16 जुलाई। हनुमानगढ़ टाऊन स्थित महात्मा गांधी स्मृति राजकीय जिला चिकित्सालय ने एक बार फिर जिले का गौरव बढ़ाते हुए कायाकल्प कार्यक्रम के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह पुरस्कार भारत सरकार द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता, सफाई और संक्रमण नियंत्रण के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए दिया जाता है। यह उपलब्धि जिला अस्पताल की टीम एवं व्यवस्थाओं की उत्कृष्टता का प्रमाण है। राज्य के 17 चिकित्सा संस्थानों के बीच हुए एक्सटर्नल मूल्यांकन में हनुमानगढ़ के जिला अस्पताल ने 85.14 प्रतिशत अंक हासिल कर राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अस्पताल को भारत सरकार से 50 लाख रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। यह राशि अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं के उन्नयन व मरीजों को बेहतर सेवाएं देने में खर्च की जाएगी। पीएमओ डॉ. शंकरलाल सोनी ने बताया कि कायाकल्प पुरस्कार स्वच्छ भारत मिशन का एक अभिन्न हिस्सा है, जिसका उद्देश्य अस्पतालों में स्वच्छता व गुणवत्ता सुधार को प्रोत्साहित करना है। राज्य स्तरीय पुरस्कार समिति ने भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार प्रथम, द्वितीय व पीयर असेसमेंट के आधार पर अस्पतालों का मूल्यांकन कर रैंकिंग निर्धारित की है। एमजीएम जिला अस्पताल इससे पहले भी वित्तीय वर्ष 2016-17 में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर चुका है। पीएमओ ने इस सफलता का श्रेय चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ व अन्य कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों को देते हुए बेहतर चिकित्सा सुविधा देने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

डेब्यू से पहले पापा को दिखाती थी

प्रैक्टिस वीडियो, मिलती थी सलाहः शनाया कपूर

आंखों की गुस्ताखियां से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस शनाया कपूर ने बताया कि उनके माता-पिता संजय कपूर और महीप कपूर उनके सबसे सच्चे सलाहकार हैं।

इंटरव्यू में जब शनाया कपूर से पूछा गया कि उनके माता-पिता ने उनके डेब्यू पर क्या प्रतिक्रिया दी, तो उन्होंने बताया कि उनके पापा संजय कपूर हमेशा से उन्हें सही राय देने वाले इंसान हैं। जब वह अपनी फिल्म की तैयारी कर रही थीं, तो वह अपने प्रैक्टिस वीडियो पापा को दिखाती थीं। वीडियो देखने के बाद उन्होंने हर बार सीधी और साफ बात कही, जो चीज अच्छी लगी, उसकी तारीफ की, और जो सुधारने लायक थी, वो भी साफ-साफ बता दी। शनाया कपूर ने कहा, मेरे पापा मेरे सबसे सच्चे सलाहकार हैं। जब भी मैं अपनी एक्टिंग की तैयारी कर रही होती थी या कोई प्रैक्टिस वीडियो पापा को दिखाती, तो वह सीधी और सच्ची राय देते थे। कहां सुधार की जरूरत है और कौन-सी चीजें मैं और अच्छे से कर सकती हूं, वह सबकुछ बताते थे। मेरी मम्मी भी बिल्कुल साफ-साफ बात करती हैं। मेरे माता-पिता हमेशा ईमानदारी से फीडबैक देते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि फिल्म इंडस्ट्री बहुत सख्त है, यहां किसी को आसानी से जगह नहीं मिलती, इसके लिए मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कहा, ये मौका जिंदगी में एक बार ही मिलता है और मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे यह मिला है। अब जब मुझे यह मौका मिला है, तो मैं चाहती हूं कि इसका पूरा फायदा उठाऊं। मुझे इस इंडस्ट्री में अपनी जगह खुद बनानी होगी और लोगों का प्यार और अपनापन भी खुद कमाना होगा। मेरे माता-पिता यह बात समझते हैं कि इसमें समय और बहुत मेहनत लगती है, इसलिए वे हमेशा मेरे और मेरे काम के प्रति ईमानदार रहते हैं। वे कभी-कभी कड़ी और सख्त बातें भी बोलते हैं, जो सुनना आसान नहीं होता। शनाया कपूर ने एक्टर होने की जिम्मेदारी के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, एक एक्टर होने के नाते, आपकी जिम्मेदारी दर्शकों के प्रति होती है और जब आप कैमरे के सामने होते हैं, तो आपको ईमानदारी से अपना बेस्ट देना होता है। ऐसा कुछ पाना आशीर्वाद की तरह होता है, क्योंकि जो काम आप कैमरे के सामने करते हैं, वह हमेशा के लिए रिकॉर्ड होता है। कई बार जब कोई सीन खत्म होता है, तो यह सोचकर अजीब और बहुत खास महसूस होता है कि जो मैंने अभी किया, वह हमेशा के लिए कैमरे में कैद हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि इसी वजह से उनके माता-पिता हमेशा उनके साथ ईमानदार रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं उनके इस ईमानदार रवैये के लिए दिल से शुक्रगुजार हूं।

राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' में शिव राजकुमार हुए शामिल

बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म पेद्दी के निर्माताओं ने शनिवार को कन्नड़ सुपरस्टार शिव राजकुमार को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। इसके साथ ही फिल्म में उनके किरदार के नाम और लुक का खुलासा किया है। आपको बताते चलें कि पेद्दी में मुख्य भूमिका में राम चरण नजर आएंगे। पेद्दी के निर्माताओं ने अभिनेता को बर्थडे का खास तोहफा देते हुए उनके लुक को रिवील किया है। पेद्दी फिल्म के प्रोडक्शन हाउस वृद्धि सिनेमाज ने अपने एक्स अकाउंट पर अभिनेता के लुक को जारी करते हुए कैप्शन दिया, 'टीम 'पेद्दी' शिव राजकुमार को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देती है। इसके साथ वह फिल्म में गौरनायडू के किरदार में बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी करेंगे।'

अब रोमांटिक फिल्मों के मौके कम मिलते हैं

अभिनेता आर. माधवन की हाल ही में रोमांटिक फिल्म आप जैसा कोई रिलीज हुई, जिसमें उन्होंने संस्कृत के टीचर श्रीरेणु त्रिपाठी का किरदार निभाया। माधवन ने बताया कि कैसे समय के साथ अब रोमांटिक फिल्मों में काम करने के अवसर कम होते जा रहे हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए माधवन ने बताया कि उन्हें इसमें क्या खास लगा।

उन्होंने कहा, मैंने इस फिल्म को इसलिए नहीं चुना कि मैं रोमांटिक फिल्मों में वापसी कर लूं, बल्कि इसलिए चुना क्योंकि इसकी कहानी दिलचस्प थी, मेरी उम्र के हिसाब से थी और आज के समय से जुड़ी थी। लव स्टोरी में अभिनय करने के बहुत कम मौके बचे हैं और ऐसे मौके और भी कम होते हैं जो सच्चे और असली लगें। फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ काम करने के बारे में उन्होंने कहा, फातिमा बेहद टैलेंटेड कलाकार हैं। वो बहुत ही प्यारी हैं, और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। उन्हें जानने के लिए शूटिंग का समय सच में बहुत कम था। इससे पहले फातिमा सना शेख ने भी फिल्म में माधवन के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा किया था। उन्होंने कहा था, मैं आर. माधवन की बहुत बड़ी फैन रही हूं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका पाकर बेहद खुशी हो रही है। वह बहुत ही समझदार और होशियार हैं। मैंने सेट पर हर दिन उनसे कुछ नया सीखा है। आप जैसा कोई फिल्म में आर. माधवन और फातिमा सना शेख के अलावा, आयशा रजा, मनीष चौधरी और नमित दास भी अहम रोल में हैं। फिल्म की कहानी दो ऐसे लोगों की है, जो बिल्कुल अलग-अलग दुनिया से आए हैं। कहानी की शुरुआत होती है, जमशेदपुर के एक संस्कृत शिक्षक श्रीरेणु त्रिपाठी से, जो 42 की उम्र में भी अविवाहित हैं और खुद को समझदार और शांत स्वभाव का मानते हैं, लेकिन भीतर ही भीतर अकेलेपन से जूझ रहे हैं। इस अकेलेपन से बाहर निकलने के लिए वह एक ऑनलाइन चैटिंग ऐप का सहारा लेते हैं, जहां उनकी मुलाकात कोलकाता की एक आत्मनिर्भर और खुले विचारों वाली फ्रेंच टीचर मधु बोस से होती है। मधु का किरदार फातिमा सना शेख ने निभाया है।

मधु का जीवन श्रीरेणु से बिल्कुल अलग है, वह रिश्तों में कई बार टूटी है, लेकिन हर बार और मजबूत बनकर उभरी है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे अलग सामाजिक सोच और जीवनशैली के बावजूद दो इंसान एक-दूसरे के करीब आते हैं। दोनों की पसंद-नापसंद अलग होते हुए भी भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, उनके बीच की वैचारिक दूरियां उभरने लगती हैं। यही टकराव फिल्म को गहराई देता है।

सार्थक प्रतिनिधित्व पर जियोर्जिया एंड्रियानी ने की बात

हाल ही में अभिनेत्री जियोर्जिया एंड्रियानी ने सिनेमा में महिलाओं के चित्रण विशेष रूप से भारतीय फिल्मों के सदाबहार डांस नंबर्स को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा की शुरुआत की है। अपने काम के प्रति विचारशील दृष्टिकोण के लिए जानी जाने वाली जियोर्जिया ने यह स्पष्ट किया कि नारीत्व का उत्सव मनाना और महिलाओं को केवल आकर्षण का साधन बनाना, दोनों में बुनियादी अंतर है। उनके विचारों ने यह उजागर किया कि फिल्म इंडस्ट्री किस तरह मनोरंजन और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक प्रस्तुति के बीच संतुलन बना सकती है। डांस सीक्वेंस और सिनेमा में महिलाओं की भूमिका पर खुलकर बोलते हुए जियोर्जिया ने एक संतुलित और सूक्ष्म नजरिया पेश किया। जिसने इस मुद्दे की जटिलता को स्वीकार किया। उन्होंने बताया, एक सीन को किस सोच के साथ गढ़ा गया है और उसे कैसे जीवंत किया गया है, यही सबसे अहम होता है।

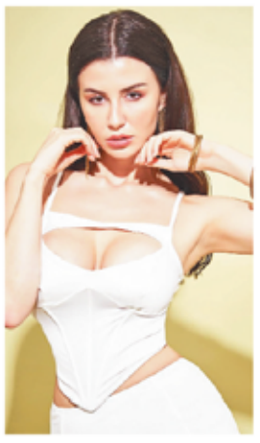

जब सही तरीके से किया जाए, तो डांस नंबर्स बेहद सशक्त हो सकते हैं और महिलाओं की खूबसूरती, आत्मविश्वास और ताकत का उत्सव बन सकते हैं। मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स की ओर आकर्षित होती हूँ जो किसी महिला के केवल शारीरिक रूप-रंग के बजाय उसकी आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास को उजागर करते हैं। उनकी यह सोच इस बात पर ज़ोर देती है कि दर्शकों को स्क्रीन पर सिर्फ़ जो दिखता है, उससे आगे जाकर यह भी समझना ज़रूरी है कि उस रचनात्मक निर्णय के पीछे का उद्देश्य और संदेश क्या है। अभिनेत्री ने महिलाओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करते हुए कलात्मक अखंडता बनाए रखने वाली परियोजनाओं का हिस्सा बनने की अपनी प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया।

बिहाइंड द सीन्स राहु केतु के रिहर्सल में पुलकित सम्राट का रहस्यमय खुलासा?

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी आगामी फिल्म राहु केतु की डांस रिहर्सल से जुड़ी एक अनूठी झलक साझा कर एक बार फिर अपने अभिनय के प्रति गहरे समर्पण को साबित किया है। इस बीटीएस (बिहाइंड द सीन्स) वीडियो में पुलकित एक बिल्कुल अलग अंदाज़ में नजर आ रहे हैं - ढीली पोल्का-डॉट धोती पैंट और स्लीवलेस काली टी-शर्ट में, उनकी हर हलचल में एक कच्ची, सच्ची और जोशीली ऊर्जा दिखती है, जो सीधे दिल को छूती है। इस वीडियो के साथ पुलकित ने एक बेहद दिल छू लेने वाला और रहस्यमय कैप्शन लिखा है, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। उन्होंने लिखा, रिहर्सल- वो अजीब सी जगह, जहां बुरे और बेहतरीन के बीच का फर्क धुंधला हो जाता है। यह वाक्य एक कलाकार की उस नाजुक और सच्ची अवस्था को दर्शाता है, जहाँ वे अपनी कला को निखारने के लिए खुद को पूरी तरह झोंक देते हैं। यह वह जगह है जहाँ खामियां दूर होती हैं और प्रतिभा चमकती है, जहाँ अभ्यास और सुधार एक-दूसरे में घुल-मिल जाते हैं।

पुलकित सम्राट, जो अपने हर किरदार में पूरी तरह डूब जाने के लिए जाने जाते हैं, उनका यह बयान याद दिलाता है कि किसी भी कला को निखारने के लिए की गई तैयारी केवल चमक-दमक या ग्लैमर से भरी नहीं होती। इसमें अथक पसीना बहाना, अनवरत संघर्ष और अपने आप को कला के प्रति पूरी तरह समर्पित कर देना शामिल होता है। यह एक कलाकार की आंतरिक यात्रा है, जहाँ वे अपनी सीमाओं को तोड़ते हैं और कुछ असाधारण बनाने के लिए जूझते हैं। यह खामोशी और एकाग्रता का एक अजीब मिश्रण है, जहाँ कलाकार अपने सबसे कच्चे रूप में होता है। उनकी आगामी फिल्म राहु केतु के नाम से ही द्वैत और आंतरिक संघर्ष जैसे गहरे विषयों की झलक मिलती है। पर्दे के पीछे पुलकित की यह गहन मेहनत पहले से ही लोगों की दिलचस्पी बढ़ा रही है कि वह इस फिल्म में किस तरह के जटिल किरदार को पर्दे पर जीवंत करेंगे। उनकी यह प्रतिबद्धता दर्शकों में फिल्म के प्रति उत्सुकता पैदा कर रही है।

फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी से जुड़े जैकी श्रॉफ

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अपकमिंग फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में एक साथ काम कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग जारी है। ऐसे में अब इस फिल्म से जाने माने अभिनेता जैकी श्रॉफ भी जुड़ गए हैं। इसकी जानकारी कार्तिक आर्यन ने खुद अपनी एक इंस्टाग्राम पोस्ट से दी है।

कार्तिक आर्यन ने शेयर किया वीडियो

कार्तिक आर्यन ने एक वीडियो के जरिए बताया है कि उनकी फिल्म में जैकी श्रॉफ की एंट्री हुई है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर सेट से एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार्तिक और जैकी एक गाने पर मजे कर रहे हैं। जैकी श्रॉफ ने टोपी और चश्मा लगाया है। वह दर्शकों को फ्लाइंग किस दे रहे हैं।

मेकर्स ने शेयर किया पहला लुक

इससे पहले फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म के सेट से कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे का पहला लुक जारी किया था। पोस्टर में नजर आ रहा था कि दोनों ने अपने हाथ में पासपोर्ट लिया हुआ था और समुद्र के किनारे एक दूसरे को किस कर रहे थे। पोस्टर से लग रहा था कि यह फिल्म रोमांटिक होने वाली है।

फिल्म के बारे में

फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी वैलेंटाइन डे के मौके पर 13 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। इसकी कहानी अभी गुप्त रखी गई है। समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित यह फिल्म, कार्तिक आर्यन और समीर विद्वांस की दूसरी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने सत्यप्रेम की कथा में काम किया था।

कार्तिक और जैकी का काम

आने वाले महीनों में, कार्तिक फुकरे फेम निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा द्वारा निर्देशित नागजिला में भी नजर आएंगे। नागजिला 14 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

दूसरी ओर, जैकी श्रॉफ जल्द ही अनुपम खेर द्वारा निर्देशित तन्वी द ग्रेट में नजर आएंगे। यह फिल्म 18 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ईशा कोप्पिकर ने साझा की मानसिक स्वास्थ्य और शोहरत के पीछे छुपे मानसिक दबाव की कहानी

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर, जिन्हें क्या कूल हैं हम, कृष्णा कॉटेज, एक विवाह ऐसा भी, शबरी और डॉन जैसी फिल्मों में उनके यादगार किरदारों के लिए जाना जाता है, हाल ही में मानसिक स्वास्थ्य की प्रमुख पक्षधर बनकर उभरी हैं। फिल्म इंडस्ट्री में अपने उतार-चढ़ाव भरे सफर से सबक लेते हुए, वह आत्म-मूल्य, इंटेंसिटी और भावनात्मक कल्याण को लेकर खुले संवाद को प्रोत्साहित कर रही हैं। एक ऐसी दुनिया में जहाँ चकाचौंध अक्सर गहरे निजी संघर्षों को छुपा देती है, उनकी ईमानदारी ताजगी भरी और बेहद ज़रूरी है। ईशा ने बताया, प्रसिद्धि दोधारी तलवार की तरह होती है। एक तरफ आपको सराहना और सफलता मिलती है, लेकिन दूसरी तरफ़, ऐसी उम्मीदों पर खरा उतरने का लगातार दबाव रहता है जो हमेशा वास्तविक नहीं होतीं। उन्होंने स्वीकार किया, आपसे उम्मीद की जाती है कि आप मुस्कराते रहें, चाहे अंदर से टूटे हुए हों।

लंबे समय तक मुझे यह नहीं पता था कि 'मैं ठीक नहीं हूँ' कहना भी एक विकल्प है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में और लोगों को यह सुनने की ज़रूरत है कि कभी-कभी खुद को थका हुआ या हारा हुआ महसूस करना भी इंसानी बात है – और यह ज़रूरी नहीं कि आप चुप रहकर सब कुछ सहें। लगातार परफॉर्म करने, हर समय परफेक्ट दिखने और प्रासंगिक बने रहने का दबाव मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालता है – फिर भी बहुत कम लोग इस बारे में खुलकर बात करते हैं। ईशा का यह कदम इन पुराने और हानिकारक सोचों को चुनौती दे रहा है जो भावनात्मक कमज़ोरी को कमजोरी समझते हैं। उनका यह सशक्त संदेश उन सभी लोगों के लिए है जो चुपचाप संघर्ष कर रहे हैं। आप जैसे हैं, वैसे ही पर्याप्त हैं।

यह एक साधारण सच है जिसे हम में से कई लोग भूल जाते हैं, खासकर उस दुनिया में जहाँ हर चीज़ को फ़िल्टर और परफेक्शन के नाम पर सजाया-संवारा जाता है। ईशा कोप्पिकर के ये ईमानदार विचार मनोरंजन जगत में सफलता, मजबूती और आत्म-देखभाल के प्रति नज़रिए को नया रूप देने में मदद कर रही हैं। ऐसे समय में जब सोशल मीडिया अक्सर असुरक्षा और अवास्तविक उम्मीदों को बढ़ावा देता है, उनका संदेश दिल को छू जाता है।

पवन कल्याण की हरि हर वीर मल्लु को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

अभिनेता पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीर मल्लु का दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म इसी महीने सिनेमाघरों में लगने वाली है। दर्शकों तक पहुंचने में इसे सिर्फ दस दिन शेष हैं। फिल्म को लेकर जबर्दस्त बज बना हुआ है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

इस फिल्म का 20 जुलाई को एक प्री-रिलीज कार्यक्रम भव्य स्तर पर होने वाला है। पवन कल्याण की इस फिल्म को लेकर सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि इंटरनेशनल स्तर पर क्रेज है। फिल्म की एडवांस बुकिंग संयुक्त राज्य अमेरिका में शुरू हो चुकी है। यह फिल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी। फिल्म में एक्शन के साथ-साथ इमोशन और ड्रामा का तड़का है। यह फिल्म 24 जुलाई, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म पहले मई में रिलीज होने वाली थी। फिर रिलीज डेट 25 जून तय हुई, मगर यह जून में रिलीज नहीं हो सकी।

सेंसर बोर्ड ने की फिल्म की तारीफ

तेलुगु 123 की रिपोर्ट के मुताबिक सेंसर बोर्ड ने कथित तौर पर इस फिल्म की मनोरंजक कहानी और भव्य दृश्यों की तारीफ की है। हरि हर वीर मल्लु का रनटाइम दो घंटे 42 मिनट है। इस अवधि में यह फिल्म दर्शकों को शानदार मनोरंजन का अनुभव देगी।

क्या है फिल्म की कहानी?

इस फिल्म का निर्देशन कृष जगरलामुदी और एएम ज्योति कृष्णा ने किया है। कहानी 17वीं सदी के मुगल काल में वीर मल्लु नाम के एक विद्रोही डाकू के जीवन पर आधारित है। पवन कल्याण फिल्म में लीड रोल कर रहे हैं। इसके अलावा बॉबी देओल, निधि अग्रवाल, वेनेला किशोर, सुनील, सत्यराज और पूजिता पोन्नदा जैसे कलाकार भी फिल्म में अहम भूमिकाएं निभा रहे हैं। फिल्म का संगीत एम.एम. कीरवानी ने दिया है।

साभार एजेंसी

टीम इंडिया की सबसे मजबूत दीवार साबित हो रही कमजोर कड़ी...

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल द्रविड और चेतेश्वर पुजारा... भारतीय क्रिकेट के वो दो मजबूत स्तंभ जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में नंबर 3 पोजीशन लंबे समय तक संभाली. लेकिन पुजारा को जब से टीम इंडिया से हटाया गया है, तब से ही इस पोजीशन पर कोई भी ऐसा बल्लेबाज नहीं दिखा जिसने नंबर 3 पर विश्वास दिखाया है. द्रविड और पुजारा इस पोजीशन पर खेलते थे तो नंबर 3 को भारतीय टीम की दीवार कहा जाता था, लेकिन हालिया समय में यह दीवार कमजोर कड़ी साबित हुई है.

इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम ने लीड्स टेस्ट में साई सुदर्शन को इस नंबर पर खिलाया जो महज 30 रन (पहली पारी में 0 दूसरी पारी में 30 रन) बना सके. करुण नायर एजबेस्टन टेस्ट (31, 26) और लॉर्ड्स टेस्ट (40, 14) में तीसरी पोजीशन पर खेले, लेकिन उन्होंने भी कुछ खास प्रभावित नहीं किया. ऐसे में सवाल है कि मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में 23 जुलाई से होने वाले मुकाबले में करुण नायर को खिलाया जाएगा या साई सुदर्शन को मौका मिलेगा या एक और दावेदार अभिमन्यु ईश्वरन को मौका मिलेगा .

करुण को और कितने मौके?

33 साल के करुण नायर मौजूदा सीरीज में अब तक 6 पारियों में सिर्फ 131 रन बना सके हैं. उनका एवरेज 21.83 है. लीड्स टेस्ट में करुण को निचले क्रम में बैटिंग का मौका मिला, लेकिन जब उन्हें अगले दो टेस्ट में तीसरे नंबर पर खि?लाया गया, तो वह उस मौके का फायदा नहीं उठा सके. लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में जब टीम को एक स्थिर साझेदारी की जरूरत थी, तब वो गेंद छोड़ने की कोशिश में वे LBW आउट हुए.

वैसे हेड कोच गौतम गंभीर ने सीरीज से पहले साफ कहा था कि करुण को ज्यादा मौके दिए जाएंगे. लेकिन वो गंभीर की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं.

साई या ईश्वरन में कितना दम, क्या करुण होंगे रिप्लेस

मैनचेस्टर मे 23 जुलाई से होने वाले टेस्ट में करुण नायर को बेंच पर बैठाकर अभिमन्यु ईश्वरन या साई सुदर्शन के विकल्प के साथ भारतीय टीम उतर सकती है. साई सुदर्शन को लीड्स टेस्ट में टीम में मौका मिला था. जहां वो पहली पारी में 0 तो दूसरी पारी में 30 रन पर आउट हो गए थे.

शुभमन गिल का खुलासा, उम्मीद नहीं थी किंग चार्ल्स लॉर्ड्स टेस्ट देखेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि टीम को उम्मीद नहीं थी कि किंग चार्ल्स लॉर्ड्स टेस्ट मैच देखेंगे। भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने मंगलवार को लंदन स्थित क्लेरेंस हाउस में किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात की। इस दौरान किंग चार्ल्स ने जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, शुभमन गिल समेत अन्य खिलाड़ियों से बातचीत की। किंग चार्ल्स तृतीय ने अपनी परंपरा निभाते हुए लंदन दौरे पर आई भारतीय क्रिकेट टीम का क्लेरेंस हाउस में स्वागत किया। यह एक दोस्ताना मुलाकात थी।

किंग चार्ल्स तृतीय इंग्लैंड दौरे पर राष्ट्रमंडल क्रिकेट टीमों का स्वागत करने की परंपरा रखते हैं। राष्ट्रमंडल प्रमुख के रूप में मेहमानों की मेजबानी कर रहे किंग चार्ल्स ने भारतीय टीम से बातचीत के दौरान बताया कि उन्होंने भारत-इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच की झलकियां देखीं। इस मुकाबले में गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम को महज 22 रन से करीबी हार झेलनी पड़ी थी। गिल ने बीसीसीआई के एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा, किंग चार्ल्स बहुत दयालु और उदार हैं। उन्होंने हमसे बहुत अच्छी बातचीत की। उम्मीद नहीं थी कि वह हमारा मैच देखेंगे। किंग चार्ल्स ने बताया कि उन्होंने हमारे मुकाबले के आखिरी सेशन के कुछ अंश देखे। यह एक शानदार अनुभव था। हम इसके लिए बहुत आभारी हैं।

इस दौरान क्लेरेंस हाउस में इंग्लिश अभिनेता और संगीतकार इद्रिस एल्बा ने भी खिलाड़ियों से मुलाकात की। इद्रिस एल्बा सेंट जेम्स पैलेस में आयोजित यूथ ऑपर्चुनिटीज समिट के लिए लंदन पहुंचे थे। एल्बा ने भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस मुलाकात के दौरान बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराइस्वामी भी मौजूद थे। शुक्ला ने किंग चार्ल्स को अपनी पुस्तक स्कार्स ऑफ 1947 भेंट की। राजीव शुक्ला ने एक्स पर पोस्ट किया, ब्रिटेन के किंग चार्ल्स हम सभी से बहुत ही गर्मजोशी के साथ अपने घर पर मिले।

इंग्लैंड के जो रूट 8वीं बार नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज

- भारत से पंत और जायसवाल को एक-एक स्थान का नुकसान; बुमराह नंबर-1 बॉलर बरकरार

दुबई, एजेंसी। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने एक बार फिर आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ खेले गए तीसरे टेस्ट में रूट ने शानदार 104 और 40 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड को 22 रन की जीत मिली और रूट को 888 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 की रैंक वापस मिल गई। रूट ने इंग्लैंड के ही हैरी ब्रुक (862 अंक) को पीछे छोड़ा। यह रूट का टेस्ट आठवीं बार नंबर-1 बनना है, और 34 साल की उम्र में वह कुमार संगाकारा के बाद सबसे उम्रदराज नंबर-1 बल्लेबाज हैं। भारत से यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत को एक-एक जबकि कप्तान शुभमन गिल को 3 स्थान का नुकसान हुआ है। बॉलिंग रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह टॉप पर बने हुए हैं।

स्टीव चौथे और विलियमसन दूसरे स्थान पर

ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने भी वेस्टइंडीज के खिलाफ जमैका टेस्ट में 48 रन की पारी खेलकर एक स्थान की छलांग लगाई और अब वह 816 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। उनके साथी कैमरन ग्रीन ने भी 46 और 42 रन बनाकर 16 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 29वें स्थान (619 अंक) पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को रैंकिंग में फायदा हुआ है। वे अब दूसरे स्थान पर आ गए हैं। जबकि हैरी ब्रूक तीसरे पायदान पर खिसक गए हैं।

ICC ने इंग्लैंड पर लगाया जुर्माना, WTC प्वाइंट्स टेबल में बड़ा नुकसान

नई दिल्ली एजेंसी । लॉर्ड्स टेस्ट में भारत पर मिली रोमांचक 22 रन की जीत के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने की कीमत इंग्लैंड को चुकानी पड़ी है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) प्वाइंट्स टेबल से इंग्लैंड के दो अंक काट लिए गए हैं। टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बताया कि इंग्लैंड पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना खिलाड़ियों और सपोर्टिंग स्टाफ के लिए आचार संहिता की धारा 2.22 के अनुसार लगाया गया है, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है। इसके मुताबिक, निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। डब्ल्यूटीसी के प्लेइंग कंडीशंस के अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार, अगर कोई टीम निर्धारित समय में ओवर पूरे नहीं करती, तो प्रत्येक कम ओवर के लिए एक अंक काटा जाता है, यह कटौती समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद की जाती है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अपराध स्वीकार लिया है। इसी के साथ उन्होंने रिची रिचर्डसन के लगाए गए प्रस्तावित जुर्माने को भी स्वीकारा। आईसीसी ने बताया कि ऐसे में औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं पड़ी है। यह आरोप मैदानी अंपायर पॉल रीफेल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, थर्ड अंपायर अहसान रजा और फोर्थ अंपायर ग्राहम लॉयड ने लगाए थे। लॉर्ड्स टेस्ट में धीमी ओवर गति का दोषी पाए जाने के बाद इंग्लैंड के डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग्स में अंक 24 से घटकर 22 हो गए हैं। इसके चलते उनका प्वाइंट पर्सेंटेज 66.67 से घटकर 61.11 रह गया है। इसके परिणामस्वरूप, इंग्लैंड डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गया है। श्रीलंका अब इस टीम को पछाड़कर दूसरे स्थान पर आ गया है। प्वाइंट्स टेबल में फिलहाल ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पायदान पर है। भारतीय टीम चौथे नंबर पर है। लॉर्ड्स में, पहली पारी में स्कोर बराबर होने के बाद इंग्लैंड ने भारत को 193 रनों का लक्ष्य दिया।

बशीर की जगह डॉसन शामिल

भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम घोषित

लंदन, एजेंसी। 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होने वाले एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। शोएब बशीर की जगह स्पिनर लियाम डॉसन को टीम में शामिल किया है। लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट के दौरान शोएब बशीर की उंगली टूट गई थी। इसके बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने सीरीज के बाकी दो टेस्ट मैचों से उन्हें बाहर रखने का फैसला किया। बशीर को लॉर्ड्स टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारत की पहली पारी के 78वें ओवर में चोट लगी थी, जब रवींद्र जडेजा ने एक जोरदार शॉट सीधे बशीर की तरफ मारा। शॉट पकड़ने की कोशिश में गेंद उनकी उंगली में लग गई। हालांकि, इंजरी के बावजूद शोएब ने चौथी पारी में गेंदबाजी की और मोहम्मद सिराज का आखिरी विकेट लेकर मैच में इंग्लैंड को जीत दिलाई। इंग्लैंड पुरुष टीम के राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा, लियाम डॉसन टीम में शामिल होने के हकदार हैं। वह काउंटी चैंपियनशिप में शानदार फॉर्म में हैं और हैम्पशायर के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। 35 वर्षीय डॉसन ने आखिरी बार जुलाई 2017 में इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था। वह इंग्लैंड की तरफ से अब तक तीन टेस्ट मैच खेल चुके हैं। वह कई वर्षों से हैम्पशायर के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्हें क्रमशः 2023 और 2024 में पीसीए प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि तेज गेंदबाज सैम कुक और जेमी ओवरटन काउंटी चैंपियनशिप में खेलने के लिए अपने-अपने काउंटी में लौट गए हैं। लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में रोमांचक जीत के बाद इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है।

रवींद्र जडेजा के नाबाद 61 रनों के बावजूद भारत 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 170 पर सिमट गया और 22 रन से मैच हार गया।

चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम:

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग और क्रिस वोक्स।

पूर्व क्रिकेटर मदन लाल का विराट कोहली से आग्रह

मेरी इच्छा है कि वह संन्यास के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी

करें,नई दिल्ली, एजेंसी। लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ दिल तोड़ने वाली हार के एक दिन बाद 1983 विश्व कप विजेता और भारत के पूर्व ऑलराउंडर मदन लाल ने विराट कोहली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास से वापसी का आग्रह किया। व्यापक रूप से खेल के आधुनिक महान खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले कोहली ने मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की।

कोहली ने 123 मैचों में 46.85 की प्रभावशाली औसत से 30 शतकों और 31 अर्धशतकों के साथ 9230 रन बनाकर अपने 14 साल के करियर को अलविदा कह दिया। उन्होंने ग्रीम स्मिथ (53 जीत), रिकी पोंटिंग (48 जीत) और स्टीव वॉ (41 जीत) के बाद चौथे सबसे सफल टेस्ट कप्तान के रूप में संन्यास ले लिया। मदन लाल ने कहा, विराट कोहली का

भारतीय क्रिकेट के प्रति जुनून बेजोड़ था। मेरी इच्छा है कि वह संन्यास के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करें। वापसी में कोई बुराई नहीं है। अगर इस सीरीज में नहीं, तो उन्हें अगली सीरीज में वापसी करनी चाहिए।

कोहली के 30 टेस्ट शतक उन्हें सचिन तेंदुलकर (51 शतक), राहुल द्रविड़ (36) और सुनील गावस्कर (34) के बाद भारत के चौथे सबसे सफल बल्लेबाज हैं।

कोहली ने 7 टेस्ट दोहरे शतक भी लगाए, जो किसी भी भारतीय द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे ज़्यादा शतक है। मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर लीड्स में सीरीज के पहले मैच में 5 विकेट से हार के बाद भारत ने दूसरे टेस्ट में प्रभावशाली वापसी की। संयमित गेंदबाजी और बेहतर क्षेत्ररक्षण के साथ, मेहमान टीम ने अंतिम दिन इंग्लैंड को 27/1 पर आउट कर एक से ज़्यादा सत्र शेष रहते यादगार जीत हासिल की।

इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने दूसरी पारी में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 192 रनों पर समेट दिया। वाशिंगटन सुंदर ने शानदार प्रदर्शन किया जिन्होंने चार अहम विकेट लेकर मेहमान टीम के लिए एक आसान लक्ष्य रखा। लेकिन, जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स की अगुवाई में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने चौथे दिन के अंतिम सत्र और 5वें दिन के शुरुआती सत्र में नाटकीय ढंग से भारत को 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 170 रनों पर आउट कर दिया, जबकि ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने शानदार वापसी की।

ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर डोपिंग मामले में चार साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। 32 वर्षीय मूर वर्तमान में एकल में 864वें और युगल में 187वें स्थान पर हैं और सकारात्मक परीक्षण के बाद अपने अनंतिम निलंबन से लौटने के बाद से वह अधिकतर निचले स्तर के डब्ल्यूटीए टूर आयोजनों में खेल रही हैं। खेल पंचाट ने डोपिंग के एक मामले में ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है। खेल पंचाट ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के साथ सहमति व्यक्त की है कि प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के सेवन के लिए उन्हें निलंबित किया जाना चाहिए। मूर को अप्रैल 2022 में एनाबॉलिक स्टेरॉयड बोल्डेनोन और नैंड्रोलोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाया गया था, लेकिन दिसंबर 2023 में उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी गई थी, जब एक स्वतंत्र पंचाट ने फैसला दिया कि कोलंबिया में एक प्रतियोगिता में भाग लेने के दौरान दूषित मांस खाने के कारण ऐसा हुआ था। आईटीआईए ने उस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी। खेल पंचाट ने आईटीआईए के पक्ष में निर्णय दिया, जिसमें कहा गया कि उसके पैनल के अधिकतर सदस्यों का यह मानना था कि मूर यह साबित नहीं कर पाई कि दूषित मांस के सेवन के कारण उनका नमूना पॉजिटिव पाया गया था। 32 वर्षीय मूर वर्तमान में एकल रैंकिंग में 864वें और युगल में 187वें स्थान पर हैं।

महाद्वीप के 20 देशों के शीर्ष सर्फर तीन से 12 अगस्त तक होने वाली एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2025 के लिए यहां महाबलीपुरम में चुनौती पेश करेंगे। एशियाई सर्फिंग महासंघ (एएसएफ) के तत्वावधान में आयोजित इस टूर्नामेंट में शॉर्टबोर्ड वर्गों में प्रतिस्पर्धा होगी जो ओपन पुरुष, ओपन महिला, अंडर-18 लड़के और अंडर-18 लड़कियों के वर्ग में होगी। इस प्रतियोगिता के जरिए सर्फर जापान में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने का प्रयास करेंगे।

भारतीय हैंडबाल टीम की फिजियोथेरेपिस्ट बनीं मोनिका

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन में होने वाली यूथ एशियन हैंडबाल चैंपियनशिप में मोनिका टीम के साथ सेवाएं देंगी। चयन पर मोरसिंघी हैंडबाल अकादमी की संचालिका और कोच स्नेहलता ने मोनिका शर्मा को बधाई दी है। हमीरपुर की बेटी

मोनिका शर्मा का चयन भारतीय हैंडबाल टीम में बतौर फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में हुआ है। चीन में होने वाली यूथ एशियन हैंडबाल चैंपियनशिप में मोनिका टीम के साथ सेवाएं देंगी। चयन पर मोरसिंघी हैंडबाल अकादमी की संचालिका और कोच स्नेहलता ने मोनिका शर्मा को बधाई दी है। यूथ एशियन वुमन हैंडबाल चैंपियनशिप के लिए भारत की टीम चीन में होगी यूथ एशियन हैंडबाल प्रतियोगिता चीन के लिए रवाना हो चुकी है। इस टीम में मुख्य कोच सचिन चौधरी हैं।

जापान ओपन बेडमिंटन:

सिंधू पहले दौर में हारकर बाहर, सात्विक-चिराग और लक्ष्य जापान ओपन के दूसरे दौर में

टोक्यो, एजेंसी। सिम ने भारतीय खिलाड़ी सिंधू के खिलाफ अपने करियर की पहली जीत हासिल की। वहीं, सात्विक और चिराग ने कांग मिन ह्युक और किम डोंग जू की कोरियाई जोड़ी को केवल 42 मिनट में हराया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू एक बार फिर पहले दौर से आगे बढ़ने में नाकाम रही, लेकिन लक्ष्य सेन पुरुष एकल तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी बुधवार को जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में आसान जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंच गए।

पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू को इस सुपर 750 टूर्नामेंट में कोरिया की सिम यू जिन के हाथों 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह इस वर्ष पांचवां अवसर है जबकि सिंधू पहले दौर की बाधा पार नहीं कर पाई। सिंधू ने पहले गेम में थोड़ी

चुनौती पेश की लेकिन इस बीच उन्होंने काफी गलतियां भी की जिसका फायदा उठाकर सिम यह गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में सिंधू जल्दी ही 1-6 से पीछे हो गईं। वह हालांकि स्कोर 11-11 से बराबर करने में कामयाब रहीं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने आसानी से बढ़त बनाकर सीधे गेम में मैच अपने नाम कर लिया। सिम ने इस तरह से भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की पहली जीत हासिल की। इससे पहले पुरुष युगल में वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग ने कांग मिन ह्युक और किम डोंग जू की कोरियाई जोड़ी को केवल 42 मिनट में 21-18, 21-10 से हराया। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी को लय हासिल करने में थोड़ा समय लगा और कोरिया के खिलाड़ियों में पहले गेम में उनके सामने कड़ी चुनौती पेश की। सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में शुरू से ही दबदबा बना कर रखा और आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया।

इस बीच पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन के वांग झेंग जिंग को 21-11, 21-18 से हराया। विश्व के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने पहले गेम में पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा.

असैन्य-सैन्य नेताओं की बैठक के बाद पाकिस्तान के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव की अटकलें

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान के शीर्ष असैन्य और सैन्य नेतृत्व के बीच हाल में हुई बैठक ने एक बार फिर देश के राजनीतिक परिदृश्य में संभावित बदलाव की अफवाहों को हवा दे दी है तथा ऐसी अटकलें हैं कि सेना प्रमुख संभवतः अगला राष्ट्रपति बनने की आकांक्षा रखते हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पिछले सप्ताह इन अफवाहों को खारिज कर दिया था कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को पद छोड़ने के लिए मजबूर किया जा सकता है और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर उनका पदभार ग्रहण करेंगे। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार इस संबंध में अफवाहों का यह नया दौर तब शुरू हुआ जब फील्ड मार्शल मुनीर ने मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास पर शरीफ से मुलाकात की, जिसके कुछ ही देर बाद शरीफ ने राष्ट्रपति भवन में जरदारी से मुलाकात की। खबर के अनुसार उच्च स्तरीय बैठक संभावित 27वें संविधान संशोधन के बारे में बढ़ती अटकलों के बीच हुई है कि जरदारी अपने उत्तराधिकारी के लिए रास्ता बनाने के वास्ते पद छोड़ सकते हैं। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अटकलें निराधार हैं, लेकिन उन्होंने पुष्टि की कि राष्ट्रपति के इस्तीफे और सेना प्रमुख द्वारा उनके स्थान पर संभावित नियुक्ति के बारे में मीडिया रिपोर्टों का मुद्दा वास्तव में जरदारी और शरीफ के बीच बैठक के दौरान उठा था।

इससे पहले शरीफ ने 11 जुलाई को उन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया था कि जरदारी को पद छोड़ने के लिए मजबूर किया जा सकता है और मुनीर राष्ट्रपति पद संभालने की आकांक्षा रखते हैं। शरीफ ने कहा था कि ऐसे दावे महज अटकलें हैं। शरीफ ने द न्यूज से कहा था, फील्ड मार्शल मुनीर ने कभी भी राष्ट्रपति बनने की इच्छा नहीं जताई है और न ही ऐसी कोई योजना है। शरीफ के इस स्पष्टीकरण से पहले गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने 10 जुलाई को एक्स पर एक बयान में जरदारी, शरीफ और मुनीर को निशाना बनाकर चलाए जा रहे दुर्भावनापूर्ण अभियान की निंदा की थी। शीर्ष सैन्य नेतृत्व के करीबी माने जाने वाले नकवी ने कहा था, हम अच्छी तरह से जानते हैं कि इस दुर्भावनापूर्ण अभियान के पीछे कौन है। देश की सत्ता और राजनीतिक संरचना में संभावित बदलाव के बारे में तीव्र अटकलों के बीच रक्षा मंत्री ने बुधवार को सभी अटकलों को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया और कहा कि जरदारी को घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी गई है और उन्होंने सरकार और वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था में पूर्ण विश्वास दिखाया है। आसिफ ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून से कहा, राष्ट्रपति इस मुद्दे से पूरी तरह अवगत थे और उन्होंने सरकार पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा शरीफ ने जरदारी को इस अपुष्ट खबर और उसके बाद के घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी। आसिफ ने इस बात की पुष्टि की प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के जरदारी से मिलने से पहले शरीफ ने फील्ड मार्शल के साथ बैठक की थी। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है, क्योंकि प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए नियमित रूप से सप्ताह में तीन बार मिलते हैं। आसिफ ने दावा किया, सेना प्रमुख की राजनीति में कोई रुचि नहीं है।

पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग की जांच के लिए आयोग गठित करने का आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने केंद्र सरकार को देश के विवादास्पद ईशनिंदा कानूनों के कथित दुरुपयोग की जांच के लिए 30 दिन में एक जांच आयोग गठित करने का निर्देश दिया है। पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों को लेकर सवाल उठते रहे हैं क्योंकि ऐसे मामलों में अकसर भीड़ कानूनी प्रक्रिया की परवाह किए बिना लोगों को निशाना बनाती है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के न्यायाधीश सरदार एजाज इस्हाक खान ने इन कानूनों के दुरुपयोग की जांच के लिए मंगलवार को एक जांच आयोग के गठन का आदेश दिया। सैन्य शासक जियाउल हक ने पैगंबर और कुरान की पवित्रता की रक्षा के लिए 1980 के दशक में इन कानूनों को और कठोर बना दिया था। अदालत ने यह आदेश ईशनिंदा की कई शिकायतों से जुड़े एक मामले पर सुनवाई के दौरान पारित किया। आरोप है कि संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के कुछ अधिकारियों, वकीलों और अन्य व्यक्तियों ने निर्दोष लोगों को ईशनिंदा मामले में फंसाने की साजिश रची और बाद में कानूनी कार्रवाई की धमकी देकर पैसे ऐंठने के लिए इसका इस्तेमाल किया। आरोप है कि जिन लोगों ने पैसे देने से इनकार कर दिया उन पर कथित तौर पर ईशनिंदा कानूनों के तहत मुकदमा चलाया गया। पिछले कुछ वर्षों में, ईशनिंदा के आरोपी कई व्यक्तियों की धार्मिक चरमपंथियों ने हत्या कर दी थी। यह याचिका पहली बार पिछले साल सितंबर में दायर की गई थी। अदालत ने संघीय सरकार को जांच आयोग गठित करने का निर्देश देने से पहले कम से कम 42 बार सुनवाई की। न्यायमूर्ति खान ने कहा कि आयोग को चार महीने में जांच पूरी करनी होगी, हालांकि यदि आवश्यक हो तो वह अदालत से समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध कर सकता है। थिंक-टैंक सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) के आंकड़ों के अनुसार 1947 से 2021 के बीच 701 ईशनिंदा के मामले दर्ज किए गए, जिनमें 1,308 पुरुष और 107 महिलाओं समेत1,415 लोग आरोपी पाए गए। इन मामलों में कम से कम 89 लोग मारे गए जबकि 30 घायल हुए। मारे गए लोगों में 72 पुरुष और 17 महिलाएं थीं।

पाकिस्तान एयरलाइंस प्रतिबंध हटने के बाद ब्रिटेन के लिए सेवाएं फिर से शुरू करेगी

इस्लामाबाद। ब्रिटेन द्वारा हवाई सुरक्षा संबंधी कारणों से पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) पर लगे प्रतिबंध हटाए जाने के बाद पाकिस्तान की सरकारी विमानन कंपनी जल्द ही लंदन तक के लिए उड़ान सेवा फिर से शुरू करने के एक कदम और करीब पहुंच गई है। ब्रिटिश उच्चायोग ने यहां एक बयान में बताया, हवाई सुरक्षा में सुधार के बाद ब्रिटेन की हवाई सुरक्षा समिति ने पाकिस्तानी विमानन कंपनियों पर लगे प्रतिबंध हटा दिए हैं। निजी विमानन कंपनियों को अब भी ब्रिटेन में परिचालन के लिए ब्रिटिश नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के माध्यम से परमिट के लिए आवेदन करना होगा। वर्ष 2020 में हुए हवाई हादसे और उसके बाद पाकिस्तानी पायलट के लाइसेंस संबंधी घोटाले के बाद पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस पर यूरोपीय संघ के देशों और ब्रिटेन में परिचालन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। यूरोपीय संघ ने हालांकि पिछले वर्ष प्रतिबंध हटा लिया था और इस साल जनवरी में औपचारिक परिचालन शुरू हो गया था लेकिन ब्रिटेन के अधिकारी सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण अब भी पाकिस्तानी विमानन कंपनियों को परिचालन की अनुमति नहीं दे रहे हैं। बयान के मुताबिक, ब्रिटिश अधिकारियों की इस नई घोषणा के बाद अब सभी पाकिस्तानी विमानन कंपनियां ब्रिटेन के लिए उड़ान संचालित करने को लेकर आवेदन कर सकती हैं। पाकिस्तान में ब्रिटिश उच्चायुक्त जेन मैरियट ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए ब्रिटेन और पाकिस्तान के विमानन विशेषज्ञों के सहयोग के लिए वह उनकी आभारी हैं।

रुबियो और तीनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच हुई बातचीत

फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी अगस्त के बाद ईरान पर संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध बहाल करेंगे

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी ने इस बात पर सहमति जताई है कि अगर परमाणु समझौते पर कोई ठोस प्रगति नहीं होती है तो अगस्त के अंत तक ईरान पर संयुक्त राष्ट्र के कड़े प्रतिबंध बहाल कर दिए जाएंगे। दो यूरोपीय राजनयिकों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र में तीनों देशों के राजदूतों ने मंगलवार को जर्मनी स्थित संयुक्त राष्ट्र मिशन में ईरान के साथ संभावित समझौते और प्रतिबंधों को फिर से लागू करने पर चर्चा की। दो अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और तीनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच फोन पर हुई बातचीत में भी यह मुद्दा उठा। अधिकारियों और राजनयिकों ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर यह जानकारी दी। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने रुबियो और तीनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच हुई बातचीत के बाद कहा कि सभी ने इस बात पर जोर दिया कि ईरान परमाणु हथियार विकसित या प्राप्त नहीं कर सके।

ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी 2015 में ईरान के साथ उसके परमाणु कार्यक्रम पर लगाम लगाने के लिए हुए एक समझौते का हिस्सा हैं, जिससे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिका को यह कहते हुए अलग कर लिया था कि यह पर्याप्त रूप से कठोर समझौता नहीं है। फ्रांस के विदेश मंत्री ज्यां-नोएल बरो ने मंगलवार को ब्रसेल्स में संवाददाताओं से कहा कि तीनों यूरोपीय देशों का ईरान पर प्रतिबंध को पुनः लागू करना उचित है। ईरान द्वारा परमाणु प्रसार पर रोक को लेकर ठोस और प्रतिबद्धता की पुष्टि करने से पहले हम अगस्त के अंत तक प्रतिबंध को बहाल कर देंगे। राजनयिकों ने प्रस्तावित समझौते का विवरण नहीं दिया। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने हाल में कहा था कि अगर ईरान को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों पर इजराइल और अमेरिका के हमलों के बाद आगे कोई हमला नहीं होने का आश्वासन मिलता है तो वह अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता फिर से शुरू करने के प्रस्ताव को स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा कि इस बात की पक्की गारंटी होनी चाहिए कि ऐसी कार्रवाई दोबारा नहीं होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले ने समाधान तक पहुंचना और भी मुश्किल और जटिल बना दिया है।

ट्रंप प्रशासन ने 10 राज्यों में आव्रजन अदालतों के 17 न्यायाधीशों को किया बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा आव्रजकों के बड़े पैमाने पर निर्वासन की प्रक्रिया को तेज किए जाने के बीच 10 राज्यों की आव्रजन अदालतों के 17 न्यायाधीशों को बर्खास्त कर दिया गया है। इन्हीं न्यायाधीशों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संगठन ने यह जानकारी दी। आव्रजन न्यायालयों के न्यायाधीशों और अन्य पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन द इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ प्रोफेशनल एंड टेक्निकल इंजीनियर्स ने एक विज्ञप्ति में कहा कि शुक्रवार को 15 और सोमवार को दो न्यायाधीशों को बिना कोई कारण बताए बर्खास्त कर दिया गया। संगठन ने कहा कि जिन न्यायाधीशों को बर्खास्त किया गया है वे कैलिफोर्निया, इलिनॉय, लुइसियाना, मैरीलैंड, मैसाचुसेट्स, न्यूयॉर्क, ओहायो, टेक्सास, यूटा और वर्जीनिया की आव्रजन अदालतों में सेवारत थे। संगठन के अध्यक्ष मैट बिग्स ने कहा, यह बेहद ही निंदनीय और जनहित के विरुद्ध है। एक तरफ संसद ने 800 आव्रजन न्यायाधीशों की नियुक्ति की मंजूरी दी है,दूसरी ओर बड़ी संख्या में आव्रजन न्यायाधीशों को बिना किसी कारण के हटाया जा रहा है, यह बेतुका है...।

अमेरिका ने निर्वासित लोगों को अफ्रीकी देश एस्वातिनी भेजा

» केपटाउन, भाषा।

अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के तीसरे-देश में निर्वासन से जुड़े कार्यक्रम को विस्तार देते हुए पांच लोगों को अफ्रीकी देश एस्वातिनी निर्वासित कर दिया है। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में लोगों को उन देशों में भेजने पर लगाया गया प्रतिबंध हटा दिया था, जहां से उनका कोई संबंध नहीं है। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने आठ लोगों को एक अन्य अफ्रीकी देश दक्षिण सूडान निर्वासित कर दिया था। गृह सुरक्षा विभाग की सहायक मंत्री ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने मंगलवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि वियतनाम, जमैका, क्यूबा, यमन और लाओस के पांच नागरिकों को एक विमान से एस्वातिनी रवाना किया गया। उन्होंने कहा कि वे सभी दोषी ठहराए गए अपराधी थे और इतने बर्बर व्यक्ति थे कि उनके मूल देशों ने उन्हें वापस लेने से इनकार कर दिया था।

एस्वातिनी के अधिकारियों ने फिलहाल तीसरे देश के निर्वासित लोगों को स्वीकार करने के सिलसिले में कोई समझौता होने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है, न ही उन्होंने यह बताया है कि देश में इन लोगों के साथ क्या किया जाएगा। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि वह अमेरिका से निर्वासित प्रवासियों को स्वीकार करने के लिए अफ्रीकी देशों के साथ और समझौते करने की कोशिश कर रहा है। नाइजीरिया सहित कुछ देशों ने ऐसे समझौते का विरोध किया है। उन्होंने कहा है कि वह दूसरे देशों के निर्वासित नागरिकों को लेने के अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

इराक के एक और तेल क्षेत्र पर ड्रोन हमला

» बगदाद, भाषा।

इराक के अर्द्ध-स्वायत्त उत्तरी कुर्द क्षेत्र में बुधवार को ड्रोन से तेल क्षेत्रों को निशाना बनाया, जो हाल के दिनों में हुए हमलों की श्रृंखला में नवीनतम है। इन हमलों के कारण कई तेल इकाई ठप्प हो गई है। किसी भी समूह ने इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है, जिससे बगदाद की केंद्रीय सरकार और कुर्द प्रशासन के बीच तनाव बढ़ गया है। कुर्द क्षेत्र के आतंकवाद निरोधक विभाग ने कहा कि दो ड्रोन ने जाखो जिले में एक तेल क्षेत्र पर हमला किया, जिससे नुकसान हुआ है। हालांकि, कोई हताहत नहीं हुआ है।

इस तेल क्षेत्र का संचालन करने वाली नॉर्वे की तेल एवं गैस कंपनी डीएनओ एएसए ने कहा कि आज सुबह तीन विस्फोटों के बाद परिचालन अस्थाई रूप से स्थगित कर दिया गया है। कंपनी ने कहा कि एक विस्फोट टावके में एक छोटे भंडारण टैंक में हुआ जबकि दूसरा विस्फोट पेशकबीर में प्रसंस्करण उपकरण में हुआ था। इसने कहा कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। यह हमला इराक के दोहुक प्रांत में एक अमेरिकी कंपनी द्वारा संचालित एक अन्य तेल क्षेत्र में आग लगने के एक दिन बाद हुआ है, जिस पर भी ड्रोन से हमला किया गया था।

गाजा में राहत सहायता वितरण केंद्र पर 20 फलस्तीनियों की मौत : इजराइल समर्थित संगठन

» तेल अवीव, भाषा।

गाजा में इजराइल समर्थित अमेरिकी सहायता संगठन ने बुधवार को कहा कि राहत सहायता वितरण केंद्र के निकट 20 फलस्तीनियों की मौत हुई है। इससे पहले, अस्पताल के अधिकारियों ने बताया था कि इजराइली हमलों में 11 बच्चों समेत 41 लोगों की मौत हुई है। गाजा ह्यूमैनिटेरियन फंड (जीएचएफ) ने कहा कि दक्षिण गाजा के खान यूनिस शहर में स्थित वितरण केंद्र पर 19 लोगों की मौत भगदड़ में कुचलने से हुई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय व प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जीएचएफ कार्यकर्ताओं ने भीड़ पर आंसू गैस के गोले दागे, जिससे भगदड़ मच गई। मंत्रालय ने कहा कि यह पहली बार है जब राहत सहायता स्थलों पर भगदड़ मचने से लोगों की मौत हुई है। साथ ही, जीएचएफ ने पहली बार अपने किसी राहत सहायता वितरण स्थल पर मौतें होने की पुष्टि की है।

हालांकि, फलस्तीनी प्रत्यक्षदर्शियों, स्वास्थ्य अधिकारियों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों का कहना है कि खाद्य सामग्री लेने के लिए इन केंद्रों की ओर जाते समय सैकड़ों लोग मारे गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि स्टन ग्रेनेड और मिर्च स्प्रे के कारण अफरा-तफरी मच गई। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भीड़ में यह संदेश फैलने के बाद भगदड़ मच गई कि कोई राहत सहायता वितरित नहीं की जाएगी। निकटवर्ती शहर रफह के निवासी उमर अल-नजर ने कहा कि लोगों को संभवतः आंसू गैस के कारण सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। बुधवार सुबह जीएचएफ स्थल पर मौजूद रहे अब्दुल्ला अलेयात ने कहा, उन्होंने हमारे खिलाफ स्टन ग्रेनेड और मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल किया। जीएचएफ ने हमास पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि इसकी वजह से हिंसा हुई। हालांकि, संगठन ने अपने इस दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय और गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि मई से अब तक सहायता प्राप्त करने की प्रतीक्षा करते समय, जीएचएफ वितरण केन्द्रों या दूसरी जगहों पर लगभग 850 फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। इजराइली हमलों में उत्तरी गाजा में 11 बच्चों समेत 22 लोग मारे गए जबकि खान यूनिस शहर में 19 लोगों की मौत हुई है।

इजराइल ने दमिश्क में रक्षा मंत्रालय के पास हमला किया

दमिश्क। इजराइली सेना ने बुधवार को कहा कि उसने दमिश्क में सीरियाई रक्षा मंत्रालय के प्रवेश द्वार के पास हमला किया। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब सीरिया के दक्षिणी शहर सुवेदा में सेना और दरोज़ सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष विराम टूट जाने के बाद झड़पें जारी हैं। संघर्ष शुरू होने के बाद से इजराइल ने सेना के काफिले पर सिलसिलेवार हमले किए हैं। इजराइल ने कहा कि वह दरोज़ की रक्षा के लिए ऐसा कर रहा है। दरोज़ धार्मिक संप्रदाय की शुरुआत 10वीं शताब्दी में हुई थी और यह शिया संप्रदाय की शाखा, इस्माइलवाद को मानते हैं। दुनिया भर में लगभग 10 लाख दरोज़ हैं जिनमें से आधे से ज्यादा सीरिया में रहते हैं। इसके बाद, ज्यादातर दरोज़ लेबनान और इजराइल में रहते हैं जिनमें गोलान हाइट्स भी शामिल है। इजराइल ने 1967 की पश्चिम एशिया की जंग में इस क्षेत्र को सीरिया से छीन लिया था और 1981 में अपने देश में मिला लिया था।

इजराइल में सैकड़ों लोगों ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

यरुशलम, भाषा। यरुशलम के ऐतिहासिक जाफा गेट परिसर में 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) मनाने के लिए करीब 200 योग प्रेमी मंगलवार शाम पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हालांकि 21 जून को मनाया जाता है लेकिन इजराइल-ईरान संघर्ष के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। यह योग सत्र यरूशलम नगर पालिका, इजराइल के विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास ने यरुशलम के बाहरी इलाके में आयोजित किया था। इजराइल में भारत के राजदूत जे पी सिंह ने कहा, इस समय इजराइल में योग का आयोजन बहुत ही सामयिक है क्योंकि लोग तनावग्रस्त हैं और चिंता का स्तर बहुत ज्यादा है। योग हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है। उन्होंने कहा, हालिया संघर्ष के कारण हम 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन नहीं कर पाए लेकिन हम इजराइली विदेश मंत्रालय और यरुशलम नगर पालिका के सहयोग से आज ऐतिहासिक शहर यरुशलम में इसका आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लोगों के कल्याण के लिए हर दिन योग दिवस होना चाहिए। विदेश मंत्रालय में दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख राजदूत सागी कर्णी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, हम जानते हैं कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल शुल्क पर चर्चा के लिए जाएगा अमेरिका

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेरथ ने कहा कि एक अगस्त की समय सीमा समाप्त होने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वीपीय देश पर लगाए गए शुल्क पर बातचीत के लिए श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह वॉशिंगटन जाएगा। हेरथ ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, वे द्विपक्षीय समझौते पर बात करने के लिए 18 जुलाई को रवाना होंगे। उन्होंने कहा कि श्रीलंका पिछले सप्ताह ट्रंप प्रशासन से मिले पत्र में उल्लेखित 30 प्रतिशत शुल्क में कटौती पाने की पूरी कोशिश करेगा।

ट्रंप प्रशासन ने अप्रैल में श्रीलंका पर 44 प्रतिशत शुल्क लगाया था, जबकि इस द्वीपीय देश ने अमेरिकी वस्तुओं पर 88 प्रतिशत शुल्क लगा रखा है। वार्ता की समय सीमा एक अगस्त को समाप्त हो रही है। श्रीलंका सरकार पर स्थानीय उद्योग की ओर से शुल्क में कटौती कराने का दबाव है, क्योंकि इससे हजारों नौकरियों पर खतरा मंडरा रहा है और 2022 के आर्थिक संकट से उबरने के द्वीपीय राष्ट्र के प्रयासों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। श्रीलंका तीन अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात करता है, जिनमें मुख्यतः परिधान शामिल हैं।

छह शिशुओं को चिकित्सा उपचार के लिए बांडुंग भेजा गया | **मानव तस्करी मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया**

इंडोनेशिया में शिशु तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पांच शिशुओं को सिंगापुर में बेचा जाना था

» सिंगापुर, भाषा।

इंडोनेशिया में अधिकारियों ने शिशु तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। चैनल न्यूज एशिया ने मंगलवार को अपनी एक खबर में यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि तस्करों से चंगुल से मुक्त कराए गए छह शिशुओं में से पांच को सिंगापुर में लोगों को बेचा जाना था। खबर में कहा गया है कि गिरोह ने कथित तौर पर 2023 से अब तक 24 ऐसे सौदे किए हैं। पश्चिमी जावा पुलिस के जनसंपर्क प्रमुख हेंड्रा रोचमावन के हवाले से खबर में कहा गया है कि कथित मानव तस्करी मामले में 12 लोगों को संदिग्ध माना गया और उन्हें गिरफ्तार किया गया।

हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें कब गिरफ्तार किया गया। पश्चिमी जावा पुलिस विभाग के अपराध जांच निदेशक सुरावन ने बताया कि अब तक 24 शिशुओं को बेचा जा चुका है जिनमें से 15 को सिंगापुर में बेचा गया। उन्होंने बताया कि बचाए गए छह शिशुओं में से पांच को सिंगापुर भेजा जाना था, जबकि एक को इंडोनेशियाई द्वीपसमूह के एक अन्य क्षेत्र पोंटियानक भेजा जा रहा था। उन्होंने पहले स्थानीय मीडिया को बताया था कि जिन छह शिशुओं को बचाया गया है उनकी उम्र दो से तीन माह है। समाचार एजेंसी सीएनएन इंडोनेशिया ने अपनी खबर में सुरावन के हवाले से कहा, संदिग्धों के बयानों के अनुसार शिशुओं को सिंगापुर में गोद दिया जाना था लेकिन हम अभी इसकी जांच कर रहे हैं। सुरावन के अनुसार बचाए गए छह शिशुओं को चिकित्सा उपचार के लिए बांडुंग (पश्चिम जावा की राजधानी) में भायंगकारा सार्तिका आसिह अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने कहा कि इस शिशु तस्करी गिरोह का पता तब लगा जब एक अभिभावक ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके बच्चे का किसी अज्ञात व्यक्ति ने अपहरण कर लिया है। सीएनएन इंडोनेशिया ने सुरावन के हवाले से कहा, ज्यादातर मामले पश्चिमी जावा से हैं। यह मामला एक ऐसे अभिभावक की शिकायत के बाद सामने आया जिनके बच्चे का अपहरण किया गया था। संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर पुलिस को पता चला कि सिंगापुर में प्रत्येक शिशु को एक करोड़ (इंडोनेशियाई) रुपिया से अधिक में बेचा गया था। सुरावन ने मंगलवार को एक अन्य साक्षात्कार में कहा, शिशुओं को उनकी माताओं से लगभग 1.1 करोड़ से 1.6 करोड़ रुपिया में खरीदा गया था। उन्होंने कहा कि संदिग्धों ने कुछ शिशुओं को उनके माता-पिता से खरीदा जबकि अन्य का कथित तौर पर अपहरण किया गया था। यह पहली बार नहीं है कि ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है जो इंडोनेशिया से बच्चे की तस्करी सिंगापुर करता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 2016 में इंडोनेशियाई अधिकारियों ने बाटम में तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया था जो कथित तौर पर तीन माह के बच्चे को लगभग 8,000 अमेरिकी डॉलर में सिंगापुर बेचने की योजना बना रहे थे।

लाल सागर में जहाजों पर हूती विद्रोहियों के हमलों को लेकर निगरानी जारी रखने की मंजूरी

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर में जहाजों पर किए जा रहे हमलों को लेकर निगरानी बनाए रखने की मंजूरी दे दी है। इन विद्रोहियों ने ऐसे सभी हमले तत्काल रोकने की मांगों की लगातार अवहेलना की है। पंद्रह सदस्यीय परिषद में प्रस्ताव के पक्ष में 12 मत पड़े, जबकि रूस, चीन और अल्जीरिया ने मतदान से परहेज किया। इन देशों ने यमन की संप्रभुता के उल्लंघन की बात कही और उनका स्पष्ट इशारा अमेरिका द्वारा हूतियों पर किए गए हवाई हमलों की तरफ था। प्रस्ताव अमेरिका और यूनान द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया गया था। इसके तहत संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस को 15 जनवरी, 2026 तक लाल सागर में हूती हमलों पर मासिक रिपोर्ट सुरक्षा परिषद को सौंपनी होगी। कार्यवाहक अमेरिकी राजदूत डोरोथी शिया ने कहा कि यह प्रस्ताव ईरान समर्थित हूती आतंकी खतरे के खिलाफ सतर्कता बनाए रखने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

उन्होंने हाल में हूतियों द्वारा दो व्यापारिक जहाजों एमवी मैजिक सीज और एमवी एटरनिटी सी पर किए गए हमलों का हवाला दिया, जिनमें दोनों पोत डूब गए और निर्दोष नाविकों की मौत हुई। चालक दल के कुछ सदस्य अब भी बंधक हैं। शिया ने इन हमलों को अनुचित और आतंकवादी कार्रवाई बताया तथा सुरक्षा परिषद की ओर से हमले तुरंत रोकने और बंधकों को रिहा करने की मांग दोहराई। हूती विद्रोहियों द्वारा किए जा रहे ये हमले, गाजा में जारी युद्ध के खिलाफ अभियान का हिस्सा माने जा रहे हैं जो 7 अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा इजराइल पर किए गए हमले के बाद शुरू हुआ था। संयुक्त राष्ट्र में यूनान के राजदूत एवानजेलोस सेकेरिस ने कहा कि हूती हमलों ने वैश्विक समुद्री समुदाय में अविश्वास को बढ़ाया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,